RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com मंगलवार, 25 अगस्त 2026 | वर्ष: 04, अंक: 155 पृष्ठ: 08, मूल्य: 2 रू. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर जेपीसी की हुई अहम बैठक

पीपी चौधरी बोले- 99 फीसदी हितधारक पक्ष में: संसद भवन एनेक्सी में हुई बैठक में विपक्ष के कई प्रमुख नेताओं ने भी हिस्सा लिया

नई दिल्ली/एजेंसी

'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के प्रस्ताव पर विचार कर रही संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की सोमवार को अहम बैठक हुई। संसद भवन एनेक्सी में हुई बैठक में विपक्ष के कई प्रमुख नेताओं ने भी हिस्सा लिया। जेपीसी 129वें संविधान संशोधन विधेयक की जांच कर रही है। इस विधेयक का उद्देश्य लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने का रास्ता तैयार करना है। सोमवार की बैठक में जेपीसी अध्यक्ष पीपी चौधरी के अलावा भाजपा सांसद के लक्ष्मण, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम, तृणमूल कांग्रेस की सांसद सागरिका घोष और एनसीपी (शरद पवार गुट) की सांसद सुप्रिया सुले समेत समिति के अन्य सदस्य शामिल हुए। करीब सात घंटे चली इस बैठक में जेपीसी के अध्यक्ष पीपी चौधरी ने दावा किया कि अब तक समिति जिन हितधारकों से परामर्श कर चुकी है, उनमें करीब 99 फीसदी लोग देशभर में एक साथ चुनाव कराने के पक्ष में हैं। 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' को लेकर गठित संयुक्त संसदीय समिति के अध्यक्ष पीपी चौधरी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि समिति को पद्म पुरस्कार से सम्मानित लोगों से महत्वपूर्ण और उपयोगी सुझाव मिले हैं। उन्होंने कहा कि अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े अन्य पद्म पुरस्कार विजेताओं से भी समिति को उनके विविध अनुभवों के आधार पर महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है। पीपी चौधरी ने कहा कि संबंधित पद्म पुरस्कार विजेता के लंबे अनुभव और नागरिक समाज के प्रतिनिधि के रूप में उनकी भूमिका को देखते हुए समिति को उनसे मूल्यवान जानकारी मिली। उन्होंने कहा कि 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर उनके विचार भी बेहद महत्वपूर्ण हैं।

समिति को राष्ट्रीय हित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए काम करना चाहिए

पद्म पुरस्कार विजेताओं की राय है कि समिति को राष्ट्रीय हित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए काम करना चाहिए। साथ ही, एक राष्ट्र, एक चुनाव की व्यवस्था लागू करने से पहले पर्याप्त सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जाने चाहिए।

चौधरी ने कहा कि पद्म पुरस्कार विजेताओं के बीच एक राष्ट्र, एक चुनाव को लेकर व्यापक समर्थन है और सभी चाहते हैं कि इस दिशा में राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखते हुए आगे बढ़ा जाए। 'एक देश एक चुनाव' पर विचार के लिए बनाई गई संयुक्त संसदीय समिति के अध्यक्ष पीपी चौधरी ने दावा किया है कि लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनाव एक साथ कराने से सात लाख करोड़ रुपये की बचत होगी। इससे देश की जीडीपी में 1.6 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है। इस धन का उपयोग बुनियादी ढांचे, गरीबों का कल्याण, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और अन्य विकास कार्यों के लिए किया जा सकता है। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और उपमुख्यमंत्री हर्ष सांघवी ने गांधीनगर में संयुक्त संसदीय समिति से मुलाकात की।

गुजरात सरकार प्रस्तावित कानून का पूर्ण समर्थन करती है: हर्ष सांघवी

उपमुख्यमंत्री हर्ष सांघवी ने कहा कि गुजरात सरकार प्रस्तावित कानून का पूर्ण समर्थन करती है। यह राष्ट्र हित में है। गुजरात ने इस वर्ष नगर निगम, नगरपालिका, जिला पंचायत और तालुका पंचायत का चुनाव एक साथ कराकर इस दिशा में पहले ही कदम बढ़ा दिया है। दूसरी तरफ, गुजरात कांग्रेस अध्यक्ष अमित चावड़ा ने कहा कि हम एक देश एक चुनाव का कड़ा विरोध करते हैं। यह प्रस्ताव संवैधानिक भावना और देश के संघीय ढांचे के खिलाफ है।

दो प्रस्तावित कानूनों की जांच कर रही समिति

भाजपा सांसद पीपी चौधरी की अध्यक्षता में 41 सदस्यीय संसदीय समिति एक साथ चुनाव से संबंधित दो प्रस्तावित कानूनों-संविधान (129वां संशोधन) विधेयक और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक की जांच कर रही है। चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का धष्टिकोण यह है कि चुनाव सुधारों से राष्ट्र को लाभ होना चाहिए।

एक साथ चुनाव से कोई संवैधानिक समस्या नहीं

पीपी चौधरी ने कहा कि वह एक साथ चुनाव कराने के तरीकों पर चर्चा कर रहे हैं। देश के छह पूर्व प्रधान न्यायाधीशों ने समिति को बताया कि इससे संघीय संरचना, मूल संरचना या मौलिक अधिकारों का उल्लंघन नहीं होता है। इससे कोई संवैधानिक समस्या उत्पन्न नहीं होगी। विधि आयोग और नीति आयोग ने भी एक साथ चुनाव की वकालत की है, जबकि संसद की स्थायी समिति ने भी इस प्रस्ताव का समर्थन किया है। संयुक्त संसदीय समिति से मुलाकात के बाद गुजरात सरकार ने जहां एक साथ चुनाव कराने का समर्थन किया है, वहीं विपक्षी कांग्रेस ने इसे सत्ता के केंद्रीकरण का छिपा हुआ एजेंडा बताया।

आम चुनाव व विधानसभा चुनाव बार-बार होने से विकास कार्य बुरी तरह प्रभावित

प्रेट्र के अनुसार, संसदीय समिति ने गुजरात के मुख्य सचिव एमके दास, विभिन्न विभागों के सचिवों और सत्तारूढ़ भाजपा के पदाधिकारियों के साथ बैठक की थी। बैठक के बाद पीपी चौधरी ने पत्रकारों को बताया था कि राज्य सरकार के अधिकारियों ने विस्तृत प्रस्तुति दी। इसमें कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर प्रकाश डाला गया, जिन पर पहले विचार नहीं किया गया था। हमने उन्हें एक व्यापक रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया है। चौधरी ने बताया कि आम चुनाव व विधानसभा चुनाव बार-बार होने से विकास कार्य बुरी तरह प्रभावित होते हैं। मंत्रियों और अधिकारियों को चुनावी काम में जाना पड़ता है। इससे जनहित से जुड़े काम भी अटक जाते हैं। उत्तराखंड सरकार ने समिति के समक्ष यह मुद्दा उठाया कि उनके राज्य का 43 प्रतिशत राजस्व पर्यटन से आता है। चुनावी वर्ष में पर्यटन बुरी तरह से प्रभावित हो जाता है।

कोलंबो टेस्ट : भारत ने 503/9 पर घोषित की पारी, जुरेल ने जड़ा शतक

कोलंबो/एजेंसी

ध्रुव जुरेल के शानदार नाबाद 115 रन की बदौलत भारत ने श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन अपनी पहली पारी नौ विकेट पर 503 रन बनाकर घोषित कर दी। जुरेल ने अपने टेस्ट करियर का दूसरा शतक लगाया और निचले क्रम के बल्लेबाजों के साथ महत्वपूर्ण साझेदारियां कर भारत को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। जवाब में दिन का खेल खत्म होने पर श्रीलंका ने केवल 8 रन पर 2 विकेट खो दिये। जुरेल ने 177 गेंदों का सामना करते हुए नौ चौके और दो छक्के लगाए। उन्होंने ऋषभ पंत के साथ छठे विकेट के लिए 112 रन की साझेदारी की।

पंत ने 63 रन की उपयोगी पारी खेली। श्रीलंका की ओर से तेज गेंदबाज असिथा फर्नांडो सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 106 रन देकर चार विकेट हासिल किए।

प्रभात जयसूर्या और केशरा नुवांथा को दो-दो विकेट मिले, हालांकि दोनों भारतीय बल्लेबाजों पर पर्याप्त दबाव बनाने में सफल नहीं रहे।

बारिश के बाद जुरेल ने पूरा किया शतक

करीब दो घंटे 10 मिनट के बारिश से बाधित खेल के बाद जब मुकाबला दोबारा शुरू हुआ, तब जुरेल 95 रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे और अपने शतक से पांच रन दूर थे। उन्होंने मोहम्मद सिराज के साथ संभलकर शुरूआत की और श्रीलंकाई गेंदबाजों के दबाव के बावजूद अपना विकेट सुरक्षित रखा।22 गेंदों के इंतजार के बाद जुरेल ने फर्नांडो की फुल गेंद को गेंदबाज के ऊपर से खेलकर अपना शतक पूरा किया।

नशे के अवैध कारोबार पर कसेगा शिकंजा, NCORD की बैठक में अधिकारियों को सख्त कार्रवाई के निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज
कौशाम्बी। जनपद में नशाखोरी और अवैध मादक पदार्थों के कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए सोमवार को पुलिस कार्यालय स्थित दुर्गा भाभी सभागार में जनपद स्तरीय नार्को-कोऑर्डिनेशन सेन्टर (NCORD) समिति की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता क्षेत्राधिकारी कौशाम्बी अरुण कुमार शुक्ला ने की।

बैठक में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार, तस्करी और बिक्री पर रोक लगाने के साथ ही युवाओं को नशे की लत से बचाने तथा नशा कारोबारियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की रणनीति पर विस्तार से चर्चा हुई। संबंधित विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ प्रभावी कार्ययोजना तैयार कर कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में COTPA अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन की भी समीक्षा की गई। शैक्षणिक संस्थानों और सार्वजनिक स्थलों के आसपास तंबाकू उत्पादों की बिक्री व सेवन पर रोक लगाने तथा व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाने पर जोर दिया गया।

समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों ने जनपद में संचालित नशामुक्ति केंद्रों की कार्यप्रणाली और वर्तमान स्थिति की जानकारी दी। नशे से प्रभावित लोगों को बेहतर उपचार, परामर्श और पुनर्वास सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक कदम उठाने तथा विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए गए। NMBA (नशा मुक्त भारत अभियान) के तहत चल रहे जागरूकता कार्यक्रमों की भी समीक्षा की गई और अभियान को और प्रभावी बनाने को कहा गया।

आबकारी विभाग से भांग की दुकानों पर गांजा की अवैध बिक्री रोकने और प्रभावी निगरानी के संबंध में जानकारी ली गई। ऐसी गतिविधियों की सूचना मिलने पर तत्काल वैधानिक कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

अधिकारियों को मादक, स्वापक (Narcotic) एवं मनःप्रभावी (Psychotropic) पदार्थों और औषधियों के अवैध व्यापार, तस्करी, बिक्री व भंडारण में संलिप्त लोगों के खिलाफ अभियान चलाकर कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। साथ ही अवैध मादक पदार्थों के स्रोत और पूरी आपूर्ति श्रृंखला पर प्रभावी प्रहार करने पर विशेष जोर दिया गया।

शिक्षा विभाग द्वारा विद्यालयों में छात्र-छात्राओं को नशे के दुष्प्रभावों, इससे होने वाली सामाजिक व स्वास्थ्य संबंधी हानियों तथा नशे से दूर रहने के लिए चलाए जा रहे जागरूकता कार्यक्रमों की भी समीक्षा की गई। विद्यालयों में नियमित रूप से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में युवाओं और किशोरों को नशे की गिरफ्त में आने से बचाने, अवैध नशा कारोबार पर नियंत्रण स्थापित करने और जनपद में नशामुक्त वातावरण तैयार करने के लिए पुलिस, स्वास्थ्य, समाज कल्याण, आबकारी एवं शिक्षा विभाग समेत सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से प्रभावी कार्रवाई करने को कहा गया। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

डीएम ने पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय किया आकस्मिक निरीक्षण

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ.अमित पाल ने आज पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय, टेवा का आकस्मिक निरीक्षण कर विद्यालय में पठन-पाठन, छात्रावास एवं भोजन व्यवस्था का जायजा लिया।

जिलाधिकारी ने प्रधानाचार्य विनोद त्रिपाठी से विद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं की संख्या तथा कार्यरत शिक्षकों की संख्या की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने विद्यालय के कक्षों में जाकर पठन-पाठन की व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा शिक्षण कार्य की स्थिति की जानकारी ली। स्मार्ट क्लास के माध्यम से पठन-पाठन पाया गया।

जिलाधिकारी ने गर्ल्स एवं बॉयज हॉस्टल का भी निरीक्षण किया और छात्र-छात्राओं के लिए उपलब्ध व्यवस्थाओं को देखा। उन्होंने प्रधानाचार्य को छात्रावासों में साफ-सफाई सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने विद्यालय की मेस का निरीक्षण किया। उन्होंने मेस में छात्र-छात्राओं के लिए तैयार भोजन की गुणवत्ता को परखने के लिए स्वयं भोजन किया। भोजन की गुणवत्ता ठीक पाई गई।

दो थाना के पुलिस में तीन वारंटी पकड़े

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में वांछित/वारण्टियों की गिरफ्तारी एवं अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में सोमवार को थाना हथगांव पुलिस द्वारा डीपी एक्ट से सम्बन्धित वारण्टी अभियुक्त बुदानी पुत्र स्व0 भिक्खू निवासी ग्राम पलियाबुजुर्ग थाना हथगांव जनपद फतेहपुर उम्र करीब 42 वर्ष को गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही के उपरांत माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

थाना गाजीपुर पुलिस द्वारा आर्म्स एक्ट थाना गाजीपुर जनपद फतेहपुर से सम्बन्धित वारण्टी अभियुक्त 1. छोटू साहू पुत्र राजाराम साहू निवासी सेवरामऊ थाना गाजीपुर व वारण्टी अभियुक्त मनीष पुत्र रामजीत उम्र करीब 26 वर्ष निवासी ग्राम सेवरामऊ थाना गाजीपुर जनपद फतेहपुर को किया गया गिरफ्तार ।

श्रावण मास एवं आगामी रक्षाबंधन पर्व के दृष्टिगत कप्तान ने कुबरी घाट का निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

स्वाती मिश्रा
सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। सोमवार को श्रावण सोमवार एवं आगामी रक्षाबंधन पर्व को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण द्वारा थाना कड़ाधाम अंतर्गत कुबरी घाट का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा घाट पर श्रद्धालुओं के आवागमन, स्नान स्थल, पार्किंग व्यवस्था, भीड़भाड़ वाले स्थानों तथा सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील स्थानों का जायजा लिया गया। साथ ही घाट पर तैनात पुलिस बल की ड्यूटी एवं सुरक्षा व्यवस्था को भी परखा गया।

पुलिस अधीक्षक द्वारा संबंधित पुलिसकर्मियों को निर्देशित किया गया कि श्रावण सोमवार एवं आगामी रक्षाबंधन पर्व के दौरान घाट पर आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। भीड़ बढ़ने की स्थिति में प्रभावी भीड़ प्रबंधन सुनिश्चित किया जाए तथा महिला एवं बच्चों की सुरक्षा के लिए विशेष सतर्कता बरती जाए।

घाट क्षेत्र में लगातार पैदल गश्त एवं निगरानी रखने, संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की चेकिंग करने तथा किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति की सूचना प्राप्त होने पर तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

श्रद्धालुओं के आवागमन को सुगम बनाए रखने तथा यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित रखने हेतु भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

इसके अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक द्वारा पर्व के दौरान कानून-व्यवस्था एवं आपसी सौहार्द बनाए रखने, अफवाहों पर प्रभावी निगरानी रखने तथा सोशल मीडिया पर भ्रामक/आपत्तिजनक सामग्री प्रसारित करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

डीएम एसएसपी द्वारा आयोजित की गयी उद्योग व्यापार बंधु की बैठक

सबसे तेज प्रयागराज
बुलंदशहर। सोमवार को जिलाधिकारी कुमार हर्ष एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बुलन्दशहर दिनेश कुमार सिंह द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय उद्योग बंधु की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जनपद के विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों से जुड़े उद्यमियों, उद्योग संगठनों के प्रतिनिधियों तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों ने सहभागिता की।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने औद्योगिक क्षेत्रों की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए संबंधित पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि औद्योगिक इकाइयों एवं व्यापारिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। महोदय द्वारा व्यापारियों की समस्याओं का तत्काल निस्तारण करने तथा बाजारों में यातायात स्थिति बेहतर करने एवं आवश्यक कार्यवाही करने हेतु सम्बन्धित को निर्देश दिए गए।। इसके साथ ही साइबर अपराध, धोखाधड़ी एवं औद्योगिक सुरक्षा से संबंधित विषयों पर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक नगर अभिषेक प्रताप अजेय एवं क्षेत्राधिकारी यातायात अनिल कुमार शाही सहित सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

तमंचा कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, श्रीमान अपर पुलिस अधीक्षक, जनपद फतेहपुर के निर्देशन तथा श्रीमान क्षेत्राधिकारी जाफरगंज के कुशल पर्यवेक्षण में थाना ललौली पुलिस द्वारा परिवारीजनों को अवैध तमंचे से डराने-धमकाने वाले अभियुक्त सुरेन्द्र कुमार यादव उर्फ झल्लर पुत्र गज्जू यादव, निवासी ग्राम डडियार मजरे कोर्राकनक, थाना ललौली, जनपद फतेहपुर, उम्र करीब 34 वर्ष को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के कब्जे से एक अवैध देशी तमंचा 315 बोर, एक जिंदा कारतूस 315 बोर तथा एक अदद धारदार हसियानुमा बरामद किया गया।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

फतेहपुर। एसपी अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में वांछित/वारण्टियों की गिरफ्तारी व अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में सोमवार को थाना थरियांव पुलिस द्वारा दुष्कर्म वांछित अभियुक्त शीतला प्रसाद पुत्र रामबाबू, निवासी ग्राम ख्वाजगीपुर सेमरइया, थाना थरियांव, जनपद फतेहपुर उम्र करीब 18 वर्ष को अम्बापुर हाईवे पुल के नीचे थाना क्षेत्र थरियांव से गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवही के उपरांत माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

राष्ट्रगान के अपमान में कांग्रेसियों का प्रदर्शन - भाजपाइयों का देश प्रेम जनता से नहीं छुपा- गौरव पाण्डेय

ब्यूरो चीफ
सबसे तेज प्रयागराज
कौशाम्बी। जनपद विधानसभा मंझनपुर में विगत दिनों उन्नाव में उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के राष्ट्रगान के दौरान कार्यक्रम स्थल से कथित रूप चले जाने के विरोध में कांग्रेसियों ने शान्ति पूर्ण प्रदर्शन के माध्यम से पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी को लिखित तहरीर सौंपी इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष गौरव पाण्डेय ने कहा कि देश और प्रदेश की जनता अब जान चुकी है कि भाजपाइयों को देश से कितना प्रेम है ।

हर बात पर राष्ट्रवाद का प्रमाण पत्र बांटने वाली भारतीय जनता पार्टी अब अपने ही नेता के इस आचरण पर क्या सफाई देगी। इस घटना से भाजपा और विधानसभा अध्यक्ष से सार्वजनिक तौर पर खेद जताने और माफी मांगनी चाहिए आज हम कांग्रेसजनों ने

एक शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन के माध्यम से पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी को लिखित शिकायत (तहरीर) दी है और विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के खिलाफ कार्यवाही की मांग करते हैं। देश के सम्मान में हमारी कांग्रेस पार्टी सदैव प्रथम पंक्ति में खड़ी मिलेगी!

कार्यक्रम में मुख्य रूप से..पूर्व प्रदेश सचिव रामबहादुर त्रिपाठी, जिला उपाध्यक्ष नैय्यर रिजवी,उदय यादव,जिला महासचिव मोहम्मद फरमान,श्याम सिंह भदौरिया,जिला सचिव जयप्रकाश जायसवाल हेमंत रावत,नरेंद्र लोधी,फौजिया बानो,सोसल मीडिया जिलाध्यक्ष सचिन पाण्डेय,नगर अध्यक्ष मंझनपुर संगीता कोरी, नगर अध्यक्ष करारी शकील अब्बास, डाक्टर नईम,ब्लाक अध्यक्ष नेवादा रावेंद्र यादव,ब्लाक अध्यक्ष मूरतगंज राजबहादुर पासी,ब्लाक सरसवा भागीरथी पटेल,ब्लाक अध्यक्ष सिराथू प्रियांशू त्रिपाठी,ब्लाक अध्यक्ष मंझनपुर प्रदीप सिंह पटेल,अंश पाल,शिवलेश मिश्रा, पप्पू अशर्फी लाल, पीयूष पटेल, आश्वाना देवी, जितेन्द्र शर्मा,मुलायम पटेल,धर्मेंद्र सरोज,उमेश कुमार, अखिलेश त्रिपाठी,अतुल कुमार पासी,व्यापार मंडल अध्यक्ष कैलाश केसरवानी,आयूष यादव,हर्ष पंडा,सत्तू पंडित,मानसिंह, संजय सरोज,संतरा देवी,आरती देवी,रानी देवी,पूजा देवी,केतकी देवी,मीना देवी,सियाराम कश्यप,बाबू लाल, अभिषेक कुमार, सदाशिव पाण्डेय सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे.!

हत्या का प्रयास करने वाले वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । 23 अगस्त को थाना मोहबब्तपुर पइन्सा पर वादी गोलू सोनकर पुत्र मसुरियादीन ग्राम मोहम्मदपुर अनेठा थाना मोहब्बतपुर पइंसा जनपद कौशाम्बी द्वारा सूचना दी गयी आज शाम मेरे पिता मसुरियादीन का पुराने बकाया 2000 रु0 मांगने को लेकर मेरे गांव के महेन्द्र सोनकर ने गाली गलौज व धमकी देते हुए जान से मारने की नियत से कुल्हाड़ी से मेरे पिता के सिर में मार दिया जिससे वे गम्भीर रूप से घायल ।

थाना मोहब्बतपुर पइन्सा पुलिस टीम द्वारा मुखबिर खास की सूचना के आधार पर मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त महेन्द्र सोरनकर पुत्र बैचू सोनकर निवासी ग्राम अनेठा थाना मोहब्बतपुर पइन्सा जपनद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया गया ।

पुलिस टीम द्वारा दो वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये गये अभियान के क्रम में थाना पश्चिम शरीरा पुलिस टीम द्वारा लोक सम्पत्ति क्षति निवारण अधिनियम थाना पश्चिम शरीरा जनपद कौशाम्बी से सम्बन्धित वारण्टी अभियुक्त महेश प्रसाद पुत्र मंगल दास निवासी गोराजू थाना पश्चिम शरीरा जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया गया ।

थाना महेवाघाट पुलिस टीम द्वारा विद्युत अधिनियम थाना महेवाघाट जनपद कौशाम्बी से सम्बन्धित वारण्टी अभियुक्त अमलाल पुत्र रामलाल निवासी ग्राम उमरावां थाना महेवाघाट जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया गया ।

हिन्दू आध्यात्मिक मेले से समाजसेवा और सांस्कृतिक कार्यों को मिलेगा मंच : संजीव दीक्षित

कानपुर। हिन्दू आध्यात्मिक मेले का उद्देश्य समाज में फैली भ्रांतियों को दूर करने के साथ विभिन्न सामाजिक और सेवा संगठनों को एक मंच पर लाना है। मेले के माध्यम से मंदिरों, ट्रस्टों, एनजीओ और अन्य संस्थाओं की ओर से किए जा रहे सेवा कार्यों को लोगों तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। यह बातें सोमवार को हिन्दू आध्यात्मिक एवं सेवा संस्थान के अध्यक्ष संजीव दीक्षित ने कहीं।

शहर के बृजेंद्र स्वरूप पार्क के ग्राउंड में 26 से 30 नवंबर तक हिन्दू आध्यात्मिक मेले का आयोजन किया जाएगा। मेले की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। आयोजन को व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए कार्यकताओं का विशेष प्रशिक्षण शिविर भी लगाया गया, जिसमें उन्हें विभिन्न जिम्मेदारियों और मेले की व्यवस्थाओं से संबंधित जानकारी दी गई।

हिन्दू आध्यात्मिक एवं सेवा संस्थान के ट्रस्टी व फाउंडर एस. गुरुमूर्ति इन दिनों कानपुर प्रवास पर हैं। उनके मार्गदर्शन में मेले की तैयारियों को अंतिम रूप देने के साथ कार्यकताओं को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी जा रही हैं। प्रशिक्षण शिविर में आयोजन के दौरान आने वाले लोगों की सुविधा, व्यवस्थाओं और विभिन्न गतिविधियों को लेकर कार्यकताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। आयोजकों के अनुसार मेले में समाज के विभिन्न वर्गों और संगठनों की सहभागिता सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है। इसका एक प्रमुख उद्देश्य हिन्दू समाज से जुड़ी विभिन्न संस्थाओं को एक साझा मंच उपलब्ध कराना है, ताकि उनके सामाजिक, सांस्कृतिक और सेवा कार्यों की जानकारी अधिक लोगों तक पहुंच सके।

मेले में एनजीओ, ट्रस्ट, मंदिरों और कॉरपोरेट संस्थानों की ओर से किए जा रहे सामाजिक एवं परोपकारी कार्यों को भी प्रदर्शित किया जाएगा। आयोजकों का कहना है कि समाज में सेवा के क्षेत्र में काम कर रहे संस्थानों के प्रयासों को सामने लाने से अन्य लोगों को भी सामाजिक गतिविधियों से जुड़ने की प्रेरणा मिलेगी।

पूर्व वीसी, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय गिरीश चंद्र त्रिपाठी ने भी मेले की तैयारियों और इसके उद्देश्यों को लेकर अपने विचार रखे।

सावन में सेवा और भक्ति से मजबूत होती है भाईचारे की भावना : रवि बाजपेयी

कानपुर। सावन का महीना भगवान शिव की आराधना का पवित्र अवसर है। धार्मिक आयोजनों के माध्यम से श्रद्धा के साथ समाजसेवा और आपसी भाईचारे की भावना को भी मजबूत किया जा सकता है। यह बातें सोमवार को भाजपा नेता रवि बाजपेयी ने कहीं।

श्रावण मास के चौथे सोमवार के अवसर पर कल्याणपुर विधानसभा क्षेत्र स्थित श्री पशुपतिनाथ मंदिर में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर भगवान शिव के दर्शन किए और प्रसाद ग्रहण किया। सुबह से ही मंदिर में श्रद्धालुओं की आवाजाही शुरू हो गई थी और दिनभर भक्तों का पहुंचना जारी रहा।

भंडारे के लिए मंदिर परिसर में विशेष व्यवस्थाएं की गई थीं। दोपहर से शुरू हुआ प्रसाद वितरण देर तक चलता रहा। कार्यकताओं ने श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित करने के साथ उनके लिए आवश्यक व्यवस्थाएं भी संभालीं। भंडारे के दौरान मंदिर परिसर में पूरे दिन भक्तिमय वातावरण बना रहा। श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना कर परिवार और समाज की सुख-समृद्धि की कामना की।

भंडारे के आयोजक एवं 211-कल्याणपुर विधानसभा क्षेत्र के भाजपा नेता रवि बाजपेयी ने श्रद्धालुओं का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि सावन में भगवान शिव की आराधना के साथ सेवा कार्य करने की भी विशेष महत्ता है।

प्रयागराज में कुर्क जमीन पर प्लॉटिंग कर कब्जा देने की कोशिश, तीन के खिलाफ मुकदमा

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में स्थित एयरपोर्ट थाना क्षेत्र के पीपलगांव में गैंगस्टर एक्ट के तहत कुर्क जमीन पर प्लॉटिंग कर कब्जा देने की कोशिश के मामले में पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार ग्राम शाह उर्फ पीपलगांव, परगना एवं तहसील सदर की खतौनी वर्ष 1430-1435 फसली के खाता संख्या 134 में दर्ज करीब 0.4680 हेक्टेयर जमीन को लेकर विवाद है। आरोप है कि इस जमीन के एक हिस्से को गैंगस्टर एक्ट की धारा 14(1) के तहत पहले ही कुर्क किया जा चुका है।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न

सबसे तेज प्रयागराज
बुलंदशहर। जिलाधिकारी कुमार हर्ष एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बुलन्दशहर दिनेश कुमार सिंह द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गयी।

बैठक में सड़क सुरक्षा समिति से सम्बन्धित विभाग लोक निर्माण विभाग, एन०एच०ए०आई०, परिवहन, स्वास्थ्य, प्राधिकरण, पुलिस आदि संबंधित विभागों के प्रतिनिधियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा सडक दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए विभागों द्वारा की गई कार्यवाही की समीक्षा की गई। चयनित ब्लैक स्पॉट्स के समुचित अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक सुधारात्मक कार्य हेतु सम्बन्धित विभागों को निर्देशित किया गया। दुर्घटनाओं को रोकने के लिए ब्लैक स्पॉट को चिन्हित करने तथा बुलन्दशहर-शिकारपुर-बदायूँ मार्ग पर रोडवेज बसों की गति सीमा निर्धारित करने एवं आवश्यकतानुसार ब्रेकर लगाये जाने के निर्देश दिये गये।

प्रवर्तन से सम्बन्धित कार्य यथा-बिना लाईसेन्स ड्राईविंग, शराब पीकर वाहन चलालना, ओवरलोडिंग इत्यादि वाहन चालकों के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही के लिए सम्बन्धित को नियमित चौकिंग करने के निर्देश दिये गये।

जिलाधिकारी ने एआरटीओ द्वारा माह में किये गये प्रवर्तन कार्य की समीक्षा करते हुए कहा कि यातायात नियमों का पालन नहीं करने वाले अधिक से अधिक वाहन चालकों के विरूद्ध कार्यवाही करें। जनपद के सभी स्कूली वाहनों की फिटनेस की भी जांच की जायें। इसके साथ ही जिन विद्यालयों के द्वारा वाहनों की संख्या शून्य दशार्यी गई हैं वहां पर जांच करें कि बच्चें किस माध्यम से स्कूल में आ रहे हैं। प्राइवेट स्कूली वाहनों की भी शत प्रतिशत फिटनेस जांच की जाये।

एआरएम रोडवेज यह सुनिश्चित करायें कि बस अड्डों पर लाईट, सीसीटीवी कैमरें, साफ-सफाई, पेयजल इत्यादि की व्यवस्था रहे। बसों की फिटनेस की भी जांच समय-समय पर कराई जाये। स्वास्थ्य विभाग एवं परिवहन विभाग द्वारा संयुक्त रूप से कैंप लगाकर वाहन चालकों के नेत्र, स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाए।

रक्षाबंधन पर्व के दृष्टिगत परिवहन व्यवस्था को लेकर डीएम की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न

"हर बहन सुरक्षित अपने भाई तक पहुंचे, यह प्रशासन की जिम्मेदारी" - डीएम

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। डीएम मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में आगामी रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर परिवहन एवं यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु अंतर-विभागीय समन्वय बैठक आयोजित की गई।

बैठक में रक्षाबंधन पर उमड़ने वाली भारी भीड़ के प्रबंधन, महिला सुरक्षा एवं सुगम यातायात को लेकर चर्चा की गई।

रक्षाबंधन त्योहार पर हो सुगम, सुरक्षित यात्रा

जिलाधिकारी ने कहा कि रक्षाबंधन पर जनपद में प्रतिवर्ष काफी महिलाएं यात्रा करती हैं। प्रशासन का उद्देश्य है कि किसी को भी बस के लिए भटकना न पड़े, यात्रा पूरी तरह सुरक्षित हो।

परिवहन विभाग को सेवा भाव से कार्य करने के निर्देश दिए । जिलाधिकारी ने बस अड्डे पर स्वास्थ्य टीम को भी लगाए जाने के लिए कहा है '

आर एम रोडबेज के द्वारा बताया गया कि विगत वर्ष रक्षाबंधन पर काफी संख्या में महिलाओं ने यात्रा की थी। सर्वाधिक दबाव प्रयागराज जौनपुर, प्रयागराज- वारणसी, प्रयागराज-प्रतापगढ़ मार्गों पर रहेगा। कहा कि 610 बसें सेवा के लिए रहेंगी उपलब्ध रहेगी ' कुछ और भी बसो को एकस्ट्रा में रखा गया है '

महिला सुरक्षा एवं सुविधा के लिए महिला पुलिस की तैनाती

महिलाओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जिलाधिकारी ने निर्देश दिया - बस अड्डों पर महिलाओं की सुरक्षा के दृष्टिगत एंटी रोमियो लगाया जाए ' ट्रैफिक को निर्देश दिया गया कि भीड़भाड़ वाले इलाकों में अतिरिक्त ट्रैफिक पुलिस लगाया जाए।

जिलाधिकारी की अपील

जिलाधिकारी ने सभी रोडवेज कर्मचारियों एवं नागरिकों से सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा - "यह केवल परिवहन नहीं, बल्कि एक बहन को उसके भाई से मिलाने का पुनीत कार्य है। सभी सम्मान और संवेदनशीलता के साथ कार्य करें।"

बैठक में अपर जिलाधिकारी (नगर), एसपी ट्रैफिक, क्षेत्रीय प्रबंधक रोडवेज एआरटीओ (प्रवर्तन) एवं निजी बस ऑपरेटर संघ के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बहरिया शिव मंदिर के प्रांगण में किया गया सवा लाख पार्थिव शिवलिंगों का अभिषेक

सबसे तेज प्रयागराज
बहरिया। सोमवार को ब्लॉक परिसर स्थित शिव मंदिर के प्रांगण में जन कल्याण के लिए सवा लाख पार्थिव शिवलिंगों का अभिषेक किया गया। इस दौरान वेद मंत्रों के उच्चारण से पूरा वातावरण शिवमय हो गया। लोगों ने भक्ति भाव से रुद्राभिषेक कर मंगल की कामना की। विगत 3 वर्षों से ब्लॉक प्रमुख की अध्यक्षता में जन कल्याण के लिए सावन मास में सवा लाख पार्थिव शिवलिंगों का अभिषेक किया जा रहा है। जिसमें ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य, ब्लाक कर्मी एवं क्षेत्रीय लोग बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते हैं। इस बार सावन के अंतिम सोमवार को आयोजन किया गया। रविवार को अखंड श्री रामचरितमानस का पाठ शुरू हुआ। दो दिन पहले से ही शिव भक्त शिवलिंगों के निर्माण में जुट गए थे। प्रयागराज से आए 121 वेदपाठी ब्राह्मणों ने 51 पीठों पर वैदिक विधि विधान से शिवलिंगों का पूजन और अभिषेक कराया।

फूलपुर के सांसद प्रवीण पटेल, विधायक दीपक पटेल, एमएलसी सुरेंद्र चौधरी, धनुपुर ब्लॉक प्रमुख ज्योति यादव, प्रतापपुर ब्लॉक प्रमुख शैलेश यादव, सहसों ब्लॉक प्रमुख गीता सिंह ने भी कार्यक्रम में पहुंचकर जनकल्याण के लिए अभिषेक किया।

शाम को विशाल भंडारे का भी आयोजन किया गया।

जिसने हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन में मुख्य रूप से दिवाकर मिश्र, वैभव करवरिया, डॉ जे के पटेल, भुवर यादव प्रधान, राकेश शुक्ला, भूपेंद्र प्रताप सिंह,संजय मौर्य, शुभम मिश्रा आदि लोग रहे।

सोराम तहसील स्तरीय रसोइया सम्मान समारोह एवं कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरण कार्यक्रम संपन्न

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज मुख्यमंत्री कैशलेस चिकित्सा सेवा योजना के तहत सोराम तहसील स्तरीय रसोइया सम्मान समारोह एवं कार्ड वितरण कार्यक्रम खंड शिक्षा अधिकारी सुमन मिश्रा के नेतृत्व में वृहद स्तर पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि फाफामऊ विधानसभा क्षेत्र के विधायक गुरु प्रसाद मौर्य एवं विशिष्ट अतिथि ब्लॉक प्रमुख सोरांव प्रदीप कुमार पासी ने किया। अतिथियों ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए आयोजन को महत्वपूर्ण बतायाकार्यक्रम को सफल बनाने में ब्लॉक के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने उत्साहपूर्वक योगदान दिया। इस दौरान खंड शिक्षा अधिकारी होलागढ़ लाल जी शर्मा, उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ होलागढ़ के महामंत्री प्रेमचंद पटेल, प्राथमिक शिक्षक संघ सोरांव के अध्यक्ष डॉ. धर्मराज यादव, उच्च प्राथमिक शिक्षक संघ मऊआइमा के अध्यक्ष बृजेंद्र बहादुर सिंह, महामंत्री आसाराम पटेल समेत अन्य शिक्षक मौजूद रहे।कार्यक्रम में बृजेश कुमार यादव, सुशील शर्मा, सावित्री यादव, गायत्री यादव, अम्बरीष शुक्ला, रजनीश पाल, संदीप सिंह, संदीप भटनागर, विजय प्रकाश गुप्ता, कंचिका पांडे, पूजा अग्रवाल, सबीना अख्तर और तनुजा मिश्रा ने सहयोग किया। इस मौके पर एआरपी विपिन पांडे, अखिलेश शुक्ला, संतलाल चौरसिया, अभिनव उपाध्याय सहित तमाम शिक्षक शिक्षिकाएं रसोईया बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

30 मिनट में जीआरपी ने बरामद किया गुम हुआ बैग, यात्री को सौंपा

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। रेलवे स्टेशन प्रयागराज जंक्शन पर गुम हुए यात्री के बैग को जीआरपी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज 30 मिनट में बरामद कर लिया। बैग को सकुशल उसके स्वामी को सौंप दिया गया। पुलिस की इस तत्परता पर यात्री और स्टेशन पर मौजूद अन्य यात्रियों ने जीआरपी पुलिस की सराहना की।

पुलिस के अनुसार सोमवार को रेलवे स्टेशन, सकुर्लेटिंग एरिया और ट्रेनों में चोरी व छिनैती की घटनाओं की रोकथाम तथा अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में क्षेत्राधिकारी रेलवे प्रयागराज अरुण कुमार पाठक के पर्यवेक्षण और प्रभारी निरीक्षक थाना जीआरपी प्रयागराज अकलेश कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम सक्रिय थी।

इसी दौरान चित्रकूट निवासी यात्री सौरभ कुमार केसरवानी ने जीआरपी थाने पहुंचकर सूचना दी कि प्रयागराज जंक्शन के प्लेटफॉर्म संख्या 7/8 पर खड़ी बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस के जनरल कोच से उनका बैग गुम हो गया है। सूचना पर तत्काल गुमशुदगी दर्ज कर बैग की तलाश के लिए निरीक्षक सोनू कुमार, रात्रिधिकारी और क्यूआरटी टीम को लगाया गया।

पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज खंगालने के साथ ही रेलवे स्टेशन और सकुर्लेटिंग एरिया में सघन चेकिंग व घेराबंदी की। लगातार प्रयास के बाद प्लेटफॉर्म संख्या 06 से गुम हुआ बैग बरामद कर लिया गया। पुलिस के मुताबिक, घेराबंदी और चेकिंग देखकर कोई अज्ञात व्यक्ति बैग छोड़कर मौके से फरार हो गया।

बैग की पहचान कर उसे यात्री सौरभ कुमार केसरवानी, निवासी 323 बरगढ़ बाजार, चित्रकूट, को सुपुर्द कर दिया गया। बैग वापस मिलने पर यात्री ने जीआरपी पुलिस का आभार जताया। स्टेशन पर मौजूद यात्रियों ने भी पुलिस की त्वरित कार्रवाई की प्रशंसा की।k

उग्रसेनपुर के योगेश तिवारी बने सुभासपा के वरिष्ठ कोआर्डिनेटर

मौजी लाल रावत
सबसे तेज प्रयागराज
फूलपुर। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) ने संगठन विस्तार को गति देते हुए प्रयागराज के प्रतापपुर विकासखंड के उग्रसेनपुर बीबीपुर गांव निवासी वरिष्ठ नेता योगेश तिवारी को गाजीपुर जनपद का वरिष्ठ कोआर्डिनेटर नियुक्त किया है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर के नेतृत्व में राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव डॉ. अरविंद राजभर ने उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी है। नई जिम्मेदारी मिलने के बाद प्रयागराज पहुंचने पर पार्टी कार्यकताओं और पदाधिकारियों ने फूल-मालाओं से योगेश तिवारी का स्वागत किया। कार्यकताओं ने उम्मीद जताई कि उनके अनुभव, जमीनी पकड़ और सक्रियता से गाजीपुर में पार्टी संगठन को मजबूती मिलेगी।

योगेश तिवारी कार्यकताओं से सीधे संवाद और क्षेत्र में मजबूत संपर्क के लिए जाने जाते हैं। उनके पिता चिंतामणि तिवारी भी क्षेत्र के प्रतिष्ठित लोगों में रहे हैं और जिला पंचायत सदस्य रह चुके हैं।

नई जिम्मेदारी पर योगेश तिवारी ने पार्टी नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा कि कार्यकताओं के साथ मिलकर संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि सभी कार्यकताओं को साथ लेकर गाजीपुर में संगठन के विस्तार के लिए पूरी निष्ठा से कार्य किया जाएगा।

डीएम की अध्यक्षता में जिला एड्स समन्वय समिति की बैठक सम्पन्न

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में सोमवार को संगम सभागार में जिला एडस समन्वय समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में नाको भारत सरकार से प्राप्त निदेर्शों के अनुरूप 12 अगस्त, 2026 'अन्तर्राष्ट्रीय युवा दिवस' से अग्रिम दो माह की अवधि में जनपद में एच० आई०वी०/एड्स विषयक सघन जागरूकता अभियान की समस्त गतिविधियो का आयोजन हेतु सूक्ष्म कार्ययोजना पर चर्चा की गयी। बैठक में डा० ए०के० तिवारी, मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा जनपद प्रयागराज में अग्रिम दो माह तक चलने वाले सघन जागरूकता अभियान का उद्देश्य एवं सम्बन्धित विभागो के विभागाध्यक्षों के साथ उनके उत्तरदायित्व निर्धारित करते हुए माइक्रोप्लान पर विस्तार पूर्वक चर्चा करते हुए अवगत कराया गया कि इस अभियान के अन्तर्गत एचआई.वी./एड्स से सम्बन्धित ज्ञान बढाने एवं लोगों को एच.आई.वी. जाँच हेतु प्रोत्साहित करने हेतु नाको, भारत सरकार द्वारा जारी किये गये सेल्फ रिस्क असेसमेन्ट टूल का अधिकाधिक प्रचार प्रसार करना। अधिक से अधिक लोगों द्वारा सेल्फ रिस्क असेसमेन्ट टूल हेतु दिये गये क्यूआर कोड को स्कैन करते हुए अपना एच. आई. वी. रिस्क स्टेटस पता करना, एच०आई०वी० फैलने के कारण तथा इससे जुड़े जोखिम के सम्बन्ध में सूचना प्रचारित करना, निरोध, एस. टी. आई. सेवायें तथा एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रदत्त सेवाओं के प्रति मांग में वृद्धि करना। अन्य सरकारी विभागों के साथ समन्वय बढ़ाते हुए जागरूकता बढ़ाने एवं एन.ए.सी.पी. सेवाओं की ग्राहता में वृद्धि करना है। इस अभियान के जनपद स्तरीय स्टेक होल्डर एडवोकेसी एवं तैयारी बैठक, सघन जागरूकता अभियान उद्घाटन कार्यक्रम एवं विशेष चिकित्सा शिविर, लोक कला कार्यक्रम, ग्राम पंचायत स्तरीय बैठकें, हर घर भ्रमण कार्यक्रम, महाविद्यालय स्तरीय प्रशिक्षण/जागरूकता गतिविधि, उच्चतर माध्यमिक/हायर सेकेण्डरी विद्यालय उच्चतर माध्यमिक/हायर सेकेण्डरी विद्यालय स्तरीय आउटरीच एवं जागरूकता गतिविधि, फ्लैशमॉब, रैली, ब्लॉक स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशालाय, सघन जागरूकता अभियान हेतु आवश्यक आई.ई.सी. सामग्री एवं यूपीएसआरटीसी बस अड्डों पर जागरूकता एवं जाँच शिविर गतिविधिया पूरे जनपद में की जायेगी।

जिलाधिकारी ने जनपद प्रयागराज में एच०आई०वी०/एड्स विषयक सघन जागरूकता अभियान की समस्त गतिविधियो का नियमानुसार आयोजन कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया। जिलाधिकारी ने जनपद के माध्यमिक विद्यालयो के छात्र-छात्राओ के बीच जागरूकता कार्यक्रम कराये जाने हेतु जिला विद्यालय निरीक्षक व ब्लॉक के 200 गाँवो में खुली बैठक कराये जाने हेतु खण्ड विकास अधिकारी को आदेशित किया, क्षेत्रीय निदेशक उच्च शिक्षा को निर्देशित किया कि जनपद के उच्च शिक्षण संस्थानो के छात्र-छात्राओ के बीच जागरूकता कार्यक्रम कराये जाने हेतु आर्देशित किया गया साथ ही जनपद के चिन्हित पाँच ब्लॉको में फूलपुर, सोरांव, कोरांव, हण्डिया व शंकरगढ़ में बैच बनाकर शिक्षको/ प्रधानो, आगनबाडी, एन०एन०एम० एवं आशा बहुओ को जागरूक करने हेतु आदेशित किया। इन गतिविधियो की रिपोर्ट प्रत्येक शनिवार को रिपोर्ट अधोहस्ताक्षरी को उपलब्ध कराने हेतु आदेशित किया गया। इस कार्यक्रम से सम्बन्धित गतिविधियो का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार, प्रिन्ट मीडिया, इलेक्ट्रानिक मीडिया एवं सोशल प्लेटफार्म के माध्यम से भी किये जाने हेतु आदेशित किया। साथ ही जिलाधिकारी ने समस्त गतिविधियो का नियमानुसार आयोजन कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया। बैठक में डा० ए०के० तिवारी, मुख्य चिकित्साधिकारी, प्रयागराज, डा० हेमन्त कुमार सिंह, जिला क्षयरोग अधिकारी/जिला एड्स नियन्त्रण अधिकारी, डा० श्याम कण्हैया सिंह, उपजिला क्षयरोग अधिकारी, डा० रोहित पाण्डेय, जिला कार्यक्रम प्रबन्धक दिशा क्लस्टर, प्रयागराज एवं दिशा स्टाफ तथा नामित विभागो के विभागाध्यक्ष /प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

दरोगा की कैप पहनकर सोशल मीडिया पर रौब जमाना पड़ा भारी

फर्जी पुलिसकर्मी बनकर वीडियो वायरल करने वाले युवक पर मुकदमा, शांति भंग में चालान

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। सरायइनायत थाना क्षेत्र में दरोगा की कैप पहनकर खुद को पुलिसकर्मी बताना एक युवक को भारी पड़ गया। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल कर जनता पर रौब जमाने वाले युवक के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया। रविवार को उसका शांति भंग में चालान किया गया।

कोटवा गांव निवासी अभिषेक मौर्य पुत्र पंचम राज मौर्य ने कुछ दिन पहले दरोगा की कैप पहनकर वीडियो बनाया था।

वीडियो में वह खुद को सरायइनायत थाने में तैनात बताते हुए लोगों से कह रहा था कि कोई काम हो तो बताना। यह वीडियो एक्स (ट्विटर) पर वायरल होने के बाद पुलिस अधिकारियों तक पहुंचा।

उच्चाधिकारियों के निर्देश पर इंस्पेक्टर प्रवीण कुमार गौतम ने मामले की जांच चौकी प्रभारी नेहरू ग्राम भारती विक्रांत तिवारी को सौंपी। जांच में पता चला कि अभिषेक के परिवार या रिश्तेदारी में कोई भी पुलिस विभाग में तैनात नहीं है। इसके बाद पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की।

पूछताछ में अभिषेक ने पुलिस को बताया कि उसके दोस्त की कार में पुलिस की कैप रखी थी। उसने मजाक में कैप पहनकर रौब जमाने के लिए वीडियो बनाया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। पुलिस के अनुसार, अभिषेक ने इंटरमीडिएट के बाद पढ़ाई छोड़ दी है।

इंस्पेक्टर प्रवीण कुमार गौतम ने बताया कि चौकी प्रभारी विक्रांत तिवारी की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की गई है। रविवार को युवक का शांति भंग में चालान किया गया।

न्यायालय द्वारा तीन वारंटी को पुलिस ने भेजा जेल

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। सोमवार को थाना प्रभारी होलागढ़ सतीश कुमार के नेतृत्व में सब इंस्पेक्टर यशवंत कुमार ने बीते 13 वर्ष पुराने मामले में फरार चल रहे दो अभियुक्तों को 1. सुशील कुमार पुत्र राम सुमेर निवासी जमालपुर थाना होलागढ़ 2. राम सुमेर पुत्र स्व0 रामाधार निवासी जमालपुर थाना होलागढ़ जनपद प्रयागराज को उनके निवास ग्राम जमालपुर के पास से गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी।

इसी प्रकार उतरांव पुलिस टीम द्वारा 8 वर्ष के पुराने मामले में फरार चल रहे वारंटी अभियुक्त धनराज पुत्र गोकुल निवासी रेहथू थाना उतरांव को उसके निवास ग्राम रेहथू के पास से गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही की गयी। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उ0नि0 रविंद्र कुमार यादव, हे0कां0 अशोक कुमार यादव थाना उतरांव कमिश्नरेट प्रयागराज।

दुष्कर्म के मामले में दोषसिद्ध पाए जाने पर आरोपी को सजा व जुमार्ना

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। न्यायालय ए0डी0जी0सी0 विनय तिवारी, प्रभारी निरीक्षक हंडिया अनूप सरोज, हे0का0 कल्पू राम कोर्ट मोहर्रिर, हे0का0 प्रदीप दुबे पैरोकार थाना हंडिया कमिश्नरेट प्रयागराज की प्रभावी पैरवी के फलस्वरुप अभियुक्त प्रदीप यादव उर्फ मोनू पुत्र कृष्ण मुरारी निवासी असठिया/यदुवंशपुर दुमदुमा थाना हंडिया जनपद प्रयागराज को दो सिद्ध पाए जाने पर धारा 342 भा0द0सं0 में 6 माह के कारावास।

पांच सौ रुपए के अर्थदण्ड, धारा 363 भा0द0सं0 में 05 वर्ष के कारावास व पांच हजार रुपए के अर्थदण्ड तथा धारा 06 पाक्सो एक्ट में 11 वर्ष के कारावास व दस हजार रुपए के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

वाहन चोर गिरोह का पदार्फाश, छह गिरफ्तार

पांच चोरी की बाइक और एक खुला इंजन बरामद, भीड़भाड़ वाले इलाकों को बनाते थे निशाना

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। सिविल लाइंस पुलिस ने वाहन चोरी करने वाले गिरोह का पदार्फाश करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी की पांच मोटरसाइकिलें और एक मोटरसाइकिल का खुला इंजन बरामद किया है। पकड़े गए सभी आरोपी नवाबगंज क्षेत्र के रहने वाले हैं।

पूछताछ में आरोपियों ने गिरोह बनाकर भीड़भाड़ वाले स्थानों से मोटरसाइकिल चोरी करने की बात स्वीकार की।

एसीपी सिविल लाइंस विद्युत गोयल के नेतृत्व में थाना प्रभारी रामाश्रय की टीम ने सोमवार को मुखबिर की सूचना पर पोलो ग्राउंड मजार के आगे न्यायमूर्ति चौराहे के पास घेराबंदी की। पुलिस टीम ने मौके से रौनक कश्यप उर्फ निर्भय कश्यप, भारत लाल उर्फ नाटे मिस्त्री, राजेश पटेल, मो. आजाद, सनी यादव और मो. परवेज को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी भीड़भाड़ वाले स्थानों से मोटरसाइकिल चोरी करने के बाद उनकी नंबर प्लेट बदल देते थे। नंबर प्लेट नहीं मिलने पर उसे हटाकर बिना नंबर के ही बाइक चलाते थे।

चोरी की बाइक से घूमकर वे दूसरी मोटरसाइकिलें भी चोरी करते और उन्हें एक स्थान पर एकत्र करते थे। पर्याप्त संख्या में बाइक जमा होने के बाद उन्हें दूसरे स्थानों पर ले जाकर बेच देते थे।

चोरी के दौरान गिरोह के अन्य सदस्य आसपास मौजूद रहते थे। उनका काम पुलिस या लोगों के पकड़ने की स्थिति में साथी को छुड़ाना था। पुलिस ने बताया कि रौनक कश्यप के खिलाफ नवाबगंज थाने में वाहन चोरी समेत दो मुकदमे दर्ज हैं। मो. आजाद के खिलाफ हत्या के प्रयास, आयुध अधिनियम, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम और लूट समेत आठ मुकदमे दर्ज हैं। सनी यादव के खिलाफ चोरी का एक और मो. परवेज के खिलाफ एक मुकदमा दर्ज है। पुलिस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों और चोरी के वाहनों की बिक्री के नेटवर्क के बारे में जानकारी जुटा रही है।

बैरहना के बंगाली टोला में जलभराव से नाराज लोगों ने किया चक्काजाम

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। शहर के पॉश इलाकों में जल निकासी की व्यवस्था दुरुस्त होने के दावे के बीच कई मोहल्लों में अब भी जलभराव की समस्या बनी हुई है। बैरहना के बंगाली टोला में लंबे समय से जलभराव से परेशान नागरिक सोमवार को सड़क पर उतर आए। नाराज लोगों ने सड़क पर चक्काजाम कर नगर निगम के खिलाफ नाराजगी जताई।

स्थानीय लोगों का कहना था कि बंगाली टोला में जलभराव की समस्या लंबे समय से बनी हुई है। बारिश होने के बाद स्थिति और खराब हो जाती है। जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने से लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ता है। समस्या के समाधान के लिए कई बार नगर निगम और जिम्मेदार अधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई।

सोमवार को समस्या से परेशान लोगों का सब्र जवाब दे गया और उन्होंने सड़क पर चक्काजाम कर दिया। इसकी जानकारी मिलने पर महापौर गणेश केसरवानी मौके पर पहुंचे। उन्होंने लोगों की समस्या सुनी और जलभराव दूर कराने का आश्वासन दिया। महापौर के आश्वासन के बाद लोगों ने चक्काजाम समाप्त कर दिया और यातायात बहाल हो सका।

संपादकीय

स्कूल में संकट, डिग्री में दम नहीं, रोजगार में रास्ता नहीं

स्कूल की टूटी छत से शुरू हुई कहानी डिग्री लेकर बेरोजगार खड़े युवा तक पहुंचती है। यही भारत की शिक्षा व्यवस्था का सबसे कड़वा सच है। आज बच्चे पंखा, पानी, शिक्षक, सड़क और शौचालय के लिए सड़क पर हैं। कल यही बच्चे डिग्री लेकर नौकरी की कतार में होंगे। फर्क सिर्फ इतना होगा कि आज वे व्यवस्था से पढ़ने लायक स्कूल मांग रहे हैं, कल जीने लायक रोजगार मांगेंगे। सवाल यह है कि सरकार उस बच्चे की आवाज कब सुनेगी जब वह स्कूल के बाहर नारा लगा रहा है या तब, जब लाखों युवाओं की भीड़ में सरकारी नौकरी का फॉर्म भर रहा होगा?जुलाई और अगस्त 2026 में देश के अलग-अलग राज्यों से बच्चों के विरोध की जो तस्वीरें सामने आईं, वे मामूली नहीं हैं। फतेहपुर में सैकड़ों छात्रों ने बिजली, पंखे, पीने के पानी और खराब व्यवस्थाओं के खिलाफ आवाज उठाई। हमीरपुर में करीब 300 बच्चे स्कूल तक पक्की सड़क की मांग को लेकर छह किलोमीटर पैदल चले। लखनऊ में छात्राओं ने शिक्षकों की कमी और बुनियादी सुविधाओं का सवाल उठाया। गया के सिमुआरा मिडिल स्कूल के करीब 50 बच्चे चार किलोमीटर पैदल चलकर अधिकारियों तक पहुंचे। राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा और पंजाब तक एक जैसी शिकायतें सुनाई दीं। कोई नई इमारत नहीं मांग रहा था। कोई महंगी मशीन नहीं मांग रहा था। बच्चे बस इतना कह रहे थे स्कूल को स्कूल बना दो।

यहां सरकारी आंकड़े सरकार के लिए ढाल कम और आईना ज्यादा हैं। यूडायस प्लस 2025-26 के अनुसार देश में 1,00,843 स्कूल ऐसे हैं, जहां केवल एक शिक्षक है। इन स्कूलों में 29 लाख से अधिक बच्चे पढ़ रहे हैं। एक शिक्षक को कई कक्षाओं को पढ़ाना है, उपस्थिति देखनी है, सरकारी कागज भरने हैं और पूरे स्कूल की जिम्मेदारी भी उठानी है। दूसरी तरफ 5,663 स्कूल ऐसे हैं, जहां एक भी बच्चा नामांकित नहीं है, लेकिन वहां 20,667 शिक्षक तैनात हैं। इससे साफ है कि समस्या केवल शिक्षकों की कमी नहीं है। असली बीमारी व्यवस्था की नब्ज में है। जहां जरूरत है, वहां शिक्षक नहीं। जहां बच्चे नहीं, वहां शिक्षक मौजूद हैं। यह कमी नहीं, बंटवारे की विफलता है।सरकार कह सकती है कि तस्वीर सुधर रही है। बिजली वाले स्कूलों का अनुपात बढ़कर 95 प्रतिशत हो गया है। पीने के पानी की सुविधा 99.5 प्रतिशत स्कूलों तक पहुंच गई है। लड़कियों के लिए शौचालय 98.5 प्रतिशत और लड़कों के लिए 97.2 प्रतिशत स्कूलों में हैं। ये आंकड़े निश्चित रूप से प्रगति बताते हैं। लेकिन प्रतिशत का खेल उस बच्चे की परेशानी नहीं मिटाता, जिसके स्कूल में बिजली होने के बावजूद पंखा नहीं चलता। राष्ट्रीय औसत की सबसे बड़ी चाल यही है कि वह लाखों बच्चों की परेशानी को एक छोटे प्रतिशत में बदल देता है।

पांच प्रतिशत स्कूलों में बिजली नहीं है, यह आंकड़ा सुनने में छोटा लगता है। लेकिन 14 लाख से अधिक स्कूलों वाले देश में पांच प्रतिशत हजारों स्कूल होते हैं। वहां पढ़ने वाला बच्चा प्रतिशत नहीं जानता। वह बस गर्मी में बैठता है। जिस स्कूल में पानी गंदा है, वहां 99.5 प्रतिशत की उपलब्धि का कोई मतलब नहीं। जिस शौचालय में ताला लगा है या सफाई नहीं, वहां कागज पर बनी सुविधा बच्चे की जरूरत पूरी नहीं करती। शिक्षा का असली हिसाब यह नहीं कि कितने स्कूलों में सुविधा दर्ज है। असली सवाल यह है कि सुबह स्कूल पहुंचने पर बच्चा उसे इस्तेमाल कर सकता है या नहीं।डिजिटल शिक्षा की तस्वीर भी कम चिंताजनक नहीं। देश के केवल 67.4 प्रतिशत स्कूलों में इंटरनेट है और 69.9 प्रतिशत में कंप्यूटर की सुविधा दर्ज है। डिजिटल पुस्तकालय केवल 7.1 प्रतिशत स्कूलों तक सीमित है। ऐसे समय में जब दुनिया तेजी से कृत्रिम बुद्धिमत्ता और नई तकनीक की तरफ बढ़ रही है, देश का बड़ा हिस्सा अभी इंटरनेट की दहलीज पर खड़ा है।

लापता बेटी की तलाश में सिर्फ पुलिस नहीं, पूरा समाज चाहिए

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

किसी बच्चे के लापता होने की खबर को हम अक्सर एक छोटे-से पुलिस केस की तरह पढ़ते हैं—नाम, उम्र, पता और थाना। लेकिन बच्चा घर से ओझल होता है, तो केवल एक जीवन नहीं, पूरा भविष्य अंधेरे में चला जाता है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की क्राइम इन इंडिया 2024 रिपोर्ट में दर्ज 98,375 लापता बच्चों का आँकड़ा इसी त्रासदी का आईना है। इनमें 75,603 लड़कियाँ, 22,768 लड़के और चार ट्रांसजेंडर बच्चे हैं। यानी 76.8 प्रतिशत लापता बच्चे लड़कियाँ हैं। 2023 के 91,296 के मुकाबले यह संख्या 7.8 प्रतिशत बढ़ी है। पिछले वर्षों के अनट्रेस्ड बच्चों को जोड़ें तो आँकड़ा 1,47,175 तक पहुँच जाता है। पश्चिम बंगाल 22,742 मामलों के साथ सबसे ऊपर है। ये महज संख्याएँ नहीं, उतने ही घरों की बुझती उम्मीदें हैं।

सवाल यह नहीं कि लड़कियाँ इतनी अधिक लापता क्यों होती हैं; असली सवाल है कि समाज ने ऐसी स्थितियाँ क्यों बना रखी हैं, जिनमें किसी लड़की का गायब होना आसान है। घरेलू काम के नाम पर गाँव से शहर, रोजगार के बहाने दूसरे प्रदेश, विवाह के झाँसे में अनजान घर और बेहतर भविष्य के लालच में तस्करी—रास्ते अलग हैं, मंजिल एक ही। पश्चिम बंगाल में 2024 के 15,849 लापता बच्चों में लड़कियों की हिस्सेदारी बहुत अधिक रही। गरीबी जब परिवार की मुट्ठी कसती है, तो दलाल का झूठ भी रोजगार का भरोसा लगता है। बेटी को सुरक्षित भविष्य देने की चाह कई बार उसे असुरक्षित दुनिया के हवाले कर देती है।

आँकड़ों से बड़ा सवाल उनकी विश्वसनीयता का है। 2024 में 98,826 बच्चों को ट्रेस या रिकवर किए जाने की सूचना है, फिर भी पिछले वर्षों के करीब 48,350 बच्चे अनट्रेस्ड हैं। तलाश खत्म नहीं हुई, सिर्फ रजिस्टर का पन्ना पलटा है। कुछ राज्यों में लापता बच्चों की संख्या शून्य या बेहद कम होना सवाल खड़े करता है। क्या हर परिवार थाने पहुँचता है? क्या हर शिकायत को बराबर गंभीरता मिलती है? क्या गरीब, ग्रामीण और हाशिए के परिवारों की आवाज उतनी जल्दी सुनी जाती है? पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश और ओडिशा के लगातार ऊँचे आँकड़े बताते हैं कि यह एक प्रदेश नहीं, पूरे तंत्र की समस्या है। यह उस व्यवस्था की परीक्षा है, जो बच्चे के गायब होने पर जागती है, पहले नहीं।

लड़की के लापता होने की कहानी को केवल अपराध मानना अधूरा होगा; इसके पीछे अर्थशास्त्र और समाजशास्त्र भी है। जिस घर में दो वक्त की रोटी का हिसाब रोज बदलता हो, वहाँ शहर में नौकरी का वादा चमत्कार से कम नहीं लगता। शिक्षा से बाहर हुई लड़की आसान लक्ष्य बन जाती है, क्योंकि उसके पास अवसर कम और निर्भरता अधिक होती है। पितृसत्तात्मक सोच—जिसमें बेटी को आज भी कई घरों में ह्यपराया धनह्न समझा जाता है—उसकी सुरक्षा को भी दोयम दर्जा देती है। पलायन, बेरोजगारी, अशिक्षा और अवसरों की कमी वह अंधेरा रचते हैं, जिसमें तस्करी फलती है। 16 से 18 वर्ष की किशोरियाँ विशेष रूप से इसकी चपेट में आती हैं।

कानून, पुलिस व्यवस्था, हेल्पलाइन और पुनर्वास संस्थाएँ हैं; फिर भी लड़की के गायब होने और सुरक्षित लौटने के बीच लंबी सुरंग है। घरेलू काम में लगाई गई बच्चियाँ चार दीवारों में अदृश्य हो जाती हैं। उनके पास दस्तावेज, नियमित संपर्क और बाहर की दुनिया तक पहुँच नहीं होती। तस्करी के कई मामले ह्यलापताह्न के खाते में दबे रहते हैं। 67 प्रतिशत रिकवरी रेट उपलब्धि दिख सकता है, लेकिन हर बरामदगी के साथ पूछना जरूरी है कि बच्ची किस हालत में मिली, उसका पुनर्वास कैसे हुआ और क्या वह फिर उसी खतरे में लौटी।

आँकड़ा मिलने से जीवन वापस नहीं मिलता; जीवन तब लौटता है, जब सुरक्षा, सम्मान और भविष्य भी लौटे।

त्योहारों की मिठास पर महंगाई का साया: चीनी के बढ़ते दामों पर कब लगेगी लगाम?

अशोक भाटिया

भारत में त्योहारों का आगमन केवल सांस्कृतिक उल्लास का प्रतीक नहीं होता, बल्कि यह देश की अर्थव्यवस्था, विशेषकर घरेलू उपभोग और खुदरा बाजार के लिए सबसे महत्वपूर्ण समय होता है। रक्षाबंधन से लेकर दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ पूजा तक चलने वाला यह लंबा त्योहारी सीजन देश के आर्थिक चक्र को गति देता है। लेकिन पिछले कुछ समय से इस त्योहारी उल्लास पर कड़वी महंगाई का साया मंडरा रहा है। आम आदमी की रसोई से लेकर हलवाइयों और बड़े खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों तक, हर जगह एक ही सवाल गूंज रहा है– चीनी के बढ़ते दामों पर कब और कैसे लगाम लगेगी?

पिछले कुछ हफ्तों में देश के विभिन्न हिस्सों में चीनी की खुदरा कीमतों में अप्रत्याशित उछाल देखा गया है। जो चीनी कुछ समय पहले तक 40 से 42 रुपये प्रति किलोग्राम के दायरे में मिल रही थी, वह अब कई खुदरा बाजारों में 52 से 56 रुपये और कुछ प्रीमियम शहरी इलाकों में 65 से 70 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच चुकी है। त्योहारों के ठीक पहले कीमतों में यह वृद्धि केवल एक सांख्यिकीय आंकड़ा नहीं है, बल्कि यह देश के करोड़ों मध्यमवर्गीय और निम्न-आय वर्ग के परिवारों के बजटीय संतुलन को बिगाड़ने वाली एक कड़वी हकीकत है।

कृषि, पर्यावरण और बाजार की विसंगतियों के एक जटिल ताने-बाने ने मिलकर चीनी के बाजार को प्रभावित किया है। इस संकट की पहली और सबसे प्रमुख जड़ अल-नीनो के प्रभाव और देश के प्रमुख गन्ना उत्पादक राज्यों में असमान मानसून के कारण गन्ने की फसल का प्रभावित होना है। महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे शीर्ष उत्पादक राज्यों में कम बारिश के चलते गन्ने के उत्पादन में गिरावट दर्ज की गई है। जब भी कृषि आधारित किसी भी उत्पाद का उत्पादन घटने की आशंका होती है, तो बाजार में एक मनोवैज्ञानिक कमी पैदा हो जाती है, जिसका सीधा असर कीमतों पर पड़ता है। दूसरा महत्वपूर्ण कारण गन्ने का एथेनॉल उत्पादन की ओर डाइवर्ट होना भी रहा है। सरकार की हरित ऊर्जा नीति के तहत पेट्रोल में एथेनॉल ब्लेंडिंग के लक्ष्य को हासिल करने के लिए भारी मात्रा में गन्ने के रस और शीरे का उपयोग किया जा रहा है। हालांकि, यह कदम देश के कच्चे तेल के आयात बिल को कम करने और पर्यावरण संरक्षण के लिए दीर्घकालिक रूप से बेहद जरूरी है, लेकिन अल्पकालिक रूप से इसने खाद्य चीनी की उपलब्धता पर दबाव बनाया है। जब मिलें चीनी बनाने के बजाय एथेनॉल बनाने को प्राथमिकता देने लगती हैं, तो बाजार में चीनी की तात्कालिक आपूर्ति प्रभावित होना स्वाभाविक है।

जैसे ही बाजार को यह संकेत मिलता है कि आगामी सीजन में उत्पादन कम रह सकता है, वैसे ही बाजार के कुछ अवांछित तत्व सक्रिय हो जाते हैं। थोक व्यापारी, बड़े डीलर और कुछ खाद्य प्रसंस्करण इकाइयां भविष्य में और अधिक दाम बढ़ने की उम्मीद में चीनी का स्टॉक जमा करना शुरू कर देते हैं। इस कृत्रिम कमी के कारण थोक बाजारों में दाम रातों-रात बढ़ जाते हैं, जिसका खामियाजा अंततः खुदरा उपभोक्ता को भुगतना पड़ता है। त्योहारों के समय मिठाई निमार्ताओं, बेकरियों और शीतल पेय कंपनियों की तरफ से चीनी की मांग सामान्य दिनों की तुलना में 30 से 40 प्रतिशत तक बढ़ जाती है। मांग में इस मौसमी वृद्धि और आपूर्ति में सट्टेबाजी के गठजोड़ ने ही इस बार कीमतों को बेकाबू कर दिया है।

कीमतों के इस बेकाबू रथ को रोकने के लिए सरकार ने हाल ही में कुछ अत्यंत सख्त और नीतिगत कदम उठाए हैं, जिन्हें इस संकट के समाधान की दिशा में एक बड़ा ह्यडैमेज कंट्रोलह्न माना जा सकता है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय और खाद्य मंत्रालय ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए कई मोर्चों पर एक साथ कार्रवाई शुरू की है। सबसे पहला और कड़ा प्रहार जमाखोरों पर किया गया है। सरकार ने चीनी के लिए नई ह्यस्टॉक लिमिटह्न लागू कर दी है। इसके तहत, जो भी बड़े खाद्य निमार्ता या बल्क कंज्यूमर्स महीने में 10 टन से अधिक चीनी का उपयोग करते हैं, वे अब 1 सितंबर से 30 नवंबर तक अपनी 15 दिनों की खपत से अधिक का स्टॉक नहीं रख सकते। पहले यह सीमा 30 दिनों की थी, जिसे आधा कर दिया गया है ताकि मिलों और गोदामों में बंद चीनी बाजार में आने के लिए मजबूर हो। इसी तरह, डीलर और ट्रेडर के लिए भी अधिकतम 4000 क्विंटल (400 टन) की स्टॉक सीमा तय कर दी गई है। इस कदम का मुख्य उद्देश्य बाजार में चीनी के कृत्रिम अभाव को पूरी तरह समाप्त करना है।

दूसरा बड़ा कदम ह्यशुल्क-मुक्त आयातह्न की अनुमति देना है। घरेलू उपलब्धता को तुरंत सुदृढ़ करने के लिए सरकार ने 10 लाख टन कच्ची चीनी के आयात को मंजूरी दी है। अंतरराष्ट्रीय बाजार से आने वाली यह चीनी देश की मिलों के पास जाकर रिफाइन होगी और सीधे बाजार में सप्लाई की जाएगी। इसके अतिरिक्त, राज्यों और मिलों को इस बार गन्ने की पेराई का नया सीजन 15 अक्टूबर से ही शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं, जो आमतौर पर नवंबर में शुरू होता है। पेराई सत्र को समय से पहले शुरू करने का सीधा लाभ यह होगा कि दशहरा और दिवाली के मुख्य त्योहारी दिनों के बीच बाजार में बिल्कुल ताजी और पर्याप्त चीनी उपलब्ध होगी।

अब सवाल यह उठता है कि इन प्रशासनिक और नीतिगत उपायों का असर धरातल पर कब तक दिखेगा? बाजार विश्लेषकों और आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार के इन कदमों का असर सितंबर के पहले या दूसरे सप्ताह से खुदरा बाजार में दिखना शुरू हो जाना चाहिए। जब थोक खरीदारों और डीलर्स पर स्टॉक खाली करने का दबाव बढ़ेगा, तो वे बाजार में चीनी की आपूर्ति बढ़ाएंगे, जिससे थोक कीमतों में तत्काल नरमी आएगी। इसके अलावा, एथेनॉल उत्पादन के लिए गन्ने के उपयोग पर लगाए गए अस्थायी नियंत्रणों से भी चीनी मिलों को अधिक चीनी बनाने में मदद मिलेगी। हालांकि, उपभोक्ताओं को यह समझना होगा कि वैश्विक स्तर पर भी चीनी की कीमतें ऊंचे स्तर पर हैं, इसलिए दाम रातों-रात बहुत नीचे नहीं गिरेंगे। लेकिन हां, जो चीनी इस समय 65से 7 0 रुपये तक बिक रही है, उसके वापस 44 से 46 रुपये प्रति किलो के एक स्थिर और न्यायसंगत दायरे में आने की पूरी संभावना है।

त्योहारों पर हर साल चीनी, खाद्य तेल या अन्य आवश्यक वस्तुओं के दामों का बढ़ना एक स्थायी समस्या बनती जा रही है। हर बार सरकार तात्कालिक उपाय जैसे स्टॉक लिमिट लगाना या आयात करना अपनाती है, लेकिन इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए एक दीर्घकालिक और संतुलित रणनीति की आवश्यकता है। सरकार को खाद्य सुरक्षा और ऊर्जा सुरक्षा के बीच एक महीन संतुलन बनाना होगा। गन्ने से एथेनॉल बनाने के लक्ष्यों को तय करते समय देश की घरेलू चीनी खपत के सुरक्षित बफर स्टॉक को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। साथ ही, गन्ना एक अत्यधिक पानी की खपत वाली फसल है। जलवायु परिवर्तन के इस दौर में किसानों को ड्रिप इरिगेशन और कम पानी में अधिक उपज देने वाली गन्ने की नई किस्मों की ओर स्थानांतरित करना होगा ताकि मानसून की अनिश्चितता का असर उत्पादन पर न पड़े। इसके अतिरिक्त, देश में चीनी के उत्पादन, मिलों के स्टॉक और बड़े डीलरों के गोदामों की रियल-टाइम डिजिटल ट्रैकिंग होनी चाहिए ताकि त्योहारों के आने का इंतजार किए बिना, सट्टेबाजी के शुरूआती संकेतों पर ही कार्रवाई की जा सके।

त्योहार किसी भी समाज के सांस्कृतिक गौरव और सामूहिक खुशी के अवसर होते हैं। किसी भी लोकतांत्रिक और कल्याणकारी सरकार की यह प्राथमिक जिम्मेदारी है कि वह इन अवसरों पर आम नागरिक की थाली और त्योहार की मिठास को सुरक्षित रखे। सरकार द्वारा उठाए गए हालिया कदम जैसे स्टॉक लिमिट को आधा करना और शुल्क-मुक्त आयात की अनुमति देना सही दिशा में उठाए गए मजबूत कदम हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि सितंबर की शुरूआत के साथ ही इन कदमों का असर खुदरा दुकानों पर दिखेगा और इस बार त्योहारों की मिठास महंगाई के कड़वेपन से मुक्त रहेगी। बाजार पर निरंतर निगरानी और नियमों का सख्त प्रवर्तन ही इस लगाम को प्रभावी बनाए रख सकता है।

दिमागी नक्सली की बहस और लाल किले से निकले शब्दों की चुभन

सौरभ वार्ष्णेय

लोकतंत्र में शब्दों की अपनी शक्ति होती है। शब्द कभी भरोसा पैदा करते हैं, कभी चेतावनी देते हैं, कभी उम्मीद जगाते हैं और कभी राजनीतिक बहस को इतना तीखा बना देते हैं कि उनके अर्थ से अधिक उनके इस्तेमाल पर चर्चा होने लगती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त 2026 को लाल किले की प्राचीर से अपने संबोधन में देश की आंतरिक चुनौतियों, राष्ट्रविरोधी सोच, विकास और राष्ट्रीय एकता से जुड़े कई मुद्दे उठाए। इसी क्रम में यदि उन्होंने ह्लदिमागी नक्सलीह्व जैसे शब्द का इस्तेमाल किया, तो यह स्वाभाविक है कि उस पर राजनीतिक और सामाजिक बहस हो। प्रश्न यह है कि आखिर ह्लदिमागी नक्सलीह्व से तात्पर्य क्या है और लाल किले जैसे सर्वोच्च राष्ट्रीय मंच से निकला यह शब्द विरोधियों को क्यों चुभ रहा है?

सबसे पहले यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि दिमागी नक्सली कोई सामान्य कानूनी या संवैधानिक श्रेणी नहीं है। इसे मुख्यतः राजनीतिक और वैचारिक संदर्भ में इस्तेमाल किया जाने वाला शब्द माना जा सकता है। सामान्य अर्थ में इसका प्रयोग उन लोगों के लिए किया जाता है जिन पर आरोप लगाया जाता है कि वे हिंसक नक्सली विचारधारा, राज्य-विरोधी सोच या लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति अविश्वास को वैचारिक स्तर पर बढ़ावा देते हैं, भले ही वे स्वयं हथियार उठाकर हिंसा में शामिल न हों।लेकिन यहीं से असली बहस शुरू होती है। किसी व्यक्ति की सरकार से असहमति, किसी नीति का विरोध, किसी आंदोलन का समर्थन अथवा सत्ता की आलोचना को सीधे दिमागी नक्सलवाद कह देना लोकतांत्रिक विमर्श के लिए उचित नहीं माना जा सकता। लोकतंत्र में सरकार की आलोचना देशद्रोह नहीं है और विपक्षी विचार रखना राष्ट्रविरोध नहीं है। दूसरी ओर, यदि कोई व्यक्ति या संगठन वास्तव में हिंसा, अलगाववाद, संवैधानिक व्यवस्था को हिंसक तरीके से गिराने या प्रतिबंधित उग्रवादी संगठनों के समर्थन में सक्रिय है, तो उसकी विचारधारा पर गंभीर प्रश्न उठना भी स्वाभाविक है।

यानी फर्क करना जरूरी है– असहमति और हिंसक विचारधारा में, आलोचना और राष्ट्रविरोध में, विपक्ष और उग्रवाद में। लाल किले की प्राचीर केवल भाषण देने का मंच नहीं है। यह भारत की स्वतंत्रता, संविधान, लोकतंत्र और करोड़ों नागरिकों की आकांक्षाओं का प्रतीक है। इसलिए वहां से प्रधानमंत्री के मुख से निकला प्रत्येक शब्द राजनीतिक बयान से कहीं अधिक महत्व रखता है। जनता उसके शब्दों में सरकार की दिशा और भविष्य की प्राथमिकताओं का संकेत खोजती है। यही कारण है कि प्रधानमंत्री द्वारा इस्तेमाल किए गए किसी भी तीखे या असामान्य शब्द पर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं तेज हो जाती हैं। विरोधियों को दिमागी नक्सली शब्द चुभने का एक बड़ा कारण यह हो सकता है कि राजनीतिक दलों और विचारधाराओं के बीच पहले से ही अविश्वास की खाई गहरी है। जब सत्ता पक्ष किसी विचारधारा या समूह पर गंभीर आरोप लगाने वाली भाषा का इस्तेमाल करता है, तो विपक्ष को आशंका होती है कि कहीं असहमति की व्यापक श्रेणी को ही राष्ट्रविरोध के दायरे में तो नहीं लाया जा रहा। यही आशंका राजनीतिक विवाद को जन्म देती है। लेकिन इस बहस का दूसरा पहलू भी उतना ही महत्वपूर्ण है। भारत ने दशकों तक नक्सल हिंसा की चुनौती झेली है। जंगलों और आदिवासी क्षेत्रों में हिंसा, सुरक्षा बलों पर हमले, विकास कार्यों में बाधा और निर्दोष नागरिकों की मौत ने अनेक परिवारों को प्रभावित किया। नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई केवल बंदूक से नहीं लड़ी जा सकती। इसके लिए विकास, शिक्षा, रोजगार, प्रशासनिक पहुंच, न्याय और स्थानीय लोगों का विश्वास भी आवश्यक है।

यहीं दिमागी नक्सलवादजैसी अवधारणा पर गंभीर विमर्श की जरूरत पड़ती है। यदि किसी हिंसक विचारधारा का प्रभाव समाज में वैचारिक स्तर पर फैलता है, तो उसका मुकाबला लोकतांत्रिक और संवैधानिक मूल्यों के माध्यम से किया जाना चाहिए। लेकिन इस काम में सबसे बड़ा हथियार तर्क और संवाद होना चाहिए, लेबल नहीं। भारत की ताकत ही उसकी विविधता है। यहां वामपंथी विचार भी हैं, दक्षिणपंथी विचार भी हैं, समाजवादी विचार भी हैं, उदारवादी विचार भी हैं और अनेक क्षेत्रीय राजनीतिक धाराएं भी हैं।

पानी के लिए भटकना भी महिलाओं का श्रम माना जाए

रेगिस्तान में पानी केवल प्यास बुझाने की जरूरत नहीं, बल्कि जीवन की दिशा तय करने वाला संसाधन है। बीकानेर जिले के लूणकरणसर ब्लॉक का खियेरा गांव इस सच्चाई को आज भी अपने रोजमर्रा के जीवन में महसूस करता है। यहां कुछ परिवार ऐसे हैं, जिनके घरों तक जल जीवन मिशन के तहत नल का कनेक्शन नहीं पहुंच पाया है। नतीजा यह है कि इन घरों की महिलाओं और किशोरियों को आज भी पानी के लिए दूसरों के घरों, दूर के जल स्रोतों और कभी-कभी महंगे टैंकरों पर निर्भर रहना पड़ता है। पानी की यह कमी केवल प्यास की समस्या नहीं है। यह उनके समय, शिक्षा, आर्थिक स्थिति और श्रम से जुड़ा सवाल भी बन जाती है।

जिन परिवारों के घर नल नहीं पहुंचा, उनके लिए पानी का इंतजाम घर की चारदीवारी के बाहर शुरू होता है। किसी दिन दूसरे घर से पानी मिल जाता है तो समस्या कुछ समय के लिए हल हो जाती है, लेकिन कई बार वहां से भी पानी देने से मना कर दिया जाता है। तब परिवारों को दूसरे स्रोत तलाशने पड़ते हैं। कई बार पानी की जरूरत इतनी जरूरी हो जाती है कि किशोरियों को अपनी पढ़ाई तक छोड़नी पड़ती है। धीरे-धीरे यह स्थिति उनके जीवन में एक ऐसे चक्र को जन्म देती है, जो उनके शिक्षा के अवसर, भविष्य में उनके लिए बेहतर रोजगार और आर्थिक स्वतंत्रता की संभावनाओं को सीमित कर देती है।

पानी की तलाश में लगने वाला समय महिलाओं और किशोरियों के उस अदृश्य श्रम का हिस्सा है, जिसका कोई आर्थिक मूल्य नहीं लगाया जाता। वे घर के लिए पानी लाती हैं, लेकिन इस जिम्मेदारी के बदले उन्हें न तो पैसे मिलते हैं और न ही उनके समय की कीमत तय होती है क्योंकि उनके इस काम को अक्सर काम नहीं माना जाता है। यही वो खामोश भेदभाव है, जो किसी कानून या नियम में लिखा हुआ नहीं होता, लेकिन रोजमर्रा की जिंदगी में दिखाई देता है। ऐसी व्यवस्थाओं पर सवाल कम उठते हैं, क्योंकि इसे जिम्मेदारी नहीं बल्कि महिलाओं का स्वाभाविक काम मान लिया गया है।

जल जीवन मिशन का उद्देश्य ग्रामीण परिवारों को पर्याप्त मात्रा और निर्धारित गुणवत्ता का पानी नियमित रूप से घर में उपलब्ध कराना है। केंद्र सरकार के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार 31 मार्च 2025 तक राजस्थान में कुल 1.08 करोड़ दर्ज ग्रामीण परिवारों में से 24.95 लाख परिवारों को नल के कनेक्शन उपलब्ध कराए जा चुके थे। मिशन की 2025-26 की योजना में राजस्थान के लिए 32.64 लाख कनेक्शनों का लक्ष्य रखा गया था, जिसमें 14.13 लाख कनेक्शन की प्रगति दर्ज हुई, यानी निर्धारित लक्ष्य का 43.3 प्रतिशत।

गूगल गुरु हो गए, घर-मोहल्ले के बुजुर्गों के अनुभव से परहेज

संजय सक्सेना

मोहल्ले के नुक्कड़ पर बिछी वह लकड़ी की बेंच आज भी वहीं है, लेकिन उस पर बैठने वाले खादी के कुर्ते और सफेद धोती वाले वे बाबा अब कहीं दिखाई नहीं देते। वे बुजुर्ग, जिनकी आंखें पूरे मोहल्ले के लिए पहरेदार का काम करती थीं, आज आधुनिकता की चकाचौंध में कहीं खो गए हैं। दोपहर की चिलचिलाती धूप में जब मां-बाप घर के भीतर सो रहे होते थे, तब यही बुजुर्ग गली के मोड़ पर बैठकर हर आते-जाते बच्चे पर अपनी पैनी नजर रखते थे। किसी बच्चे का हाथ साइकिल के पैडल से फिसला नहीं कि उनकी तरफ से एक चीख गूंज उठती थी, संभलकर चल। स्कूल बंक करके कंचे खेलने वाले या किसी बाग से अमरूद चुराने वाले बच्चों के लिए वे साक्षात यमराज की तरह प्रकट हो जाते थे। गलती देखते ही वहीं डांट लगाना, कान उमठना और फिर शाम को सीधे उस बच्चे के घर पहुंचकर उसके मां-बाप को आगाह करना उनकी दिनचर्या का एक अनिवार्य हिस्सा था। वे इसे अपना अधिकार और सबसे बड़ी सामाजिक जिम्मेदारी मानते थे। सबसे खूबसूरत बात यह थी कि जब वे घर पर शिकायत लेकर पहुंचते थे, तो कोई मां-बाप उनसे लड़ता नहीं था। समाज में एक अटूट विश्वास था कि अगर मोहल्ले के किसी बुजुर्ग ने बच्चे को टोका है, तो वह बच्चे के भले के लिए ही होगा। मां-बाप उनकी बातों को पूरे सम्मान के साथ सुनते, उनका आभार जताते और फिर अपने बच्चे को समझाते-बुझाते थे। पूरा मोहल्ला एक संयुक्त परिवार की तरह सांस लेता था, जहां हर बच्चा पूरे मोहल्ले का बच्चा होता था। लेकिन आज समय का पहिया ऐसा घूमा कि मोहल्ले तो दूर, खुद घर के भीतर भी बच्चों को कुछ समझाने या टोकने की हिमाकत कोई

नहीं कर पाता। आधुनिकता के नाम पर हमने जिस नई दुनिया का निर्माण किया है, उसने हमारे रहने के ढंग के साथ-साथ हमारी सोच को भी पूरी तरह बदल दिया है। पुराने आत्मीय मोहल्लों का स्वरूप अब तेजी से सिकुड़ रहा है और उनकी जगह चमचमाती कंक्रीट की कॉलोनियों और गगनचुंबी अपार्टमेंट्स ने ले ली है। इन बड़े-बड़े अपार्टमेंट्स के बंद फ्लैटों में लोग खुद को कैद कर चुके हैं। आज की स्थिति यह है कि एक ही मंजिल पर रहने वाला पड़ोसी सालों-साल दूसरे पड़ोसी का नाम तक नहीं जानता। हर घर के दरवाजे पर एक अदृश्य बोर्ड टंगा है, जिस पर लिखा है कि कृपया हमारे निजी जीवन में दखल न दें। इस तथाकथित प्राइवेसी या निजता की संस्कृति ने समाज के उस ताने-बाने को छिन्न-भिन्न कर दिया है, जो कभी हमें एक सूत्र में बांधकर रखता था। जब पड़ोसी ही पड़ोसी से बेगाना हो गया, तो भला कोई किसी के बच्चे की गलती पर जुबान खोलने का जोखिम क्यों उठाएगा।

आज अगर कोई बुजुर्ग किसी बच्चे को उसकी भलाई के लिए भी टोक दे, तो बच्चे के माता-पिता ही लाठी-डंडा लेकर या पुलिस की धमकी देते हुए बुजुर्ग के दरवाजे पर पहुंच जाते हैं कि आपने हमारे बच्चे को बोलने की हिम्मत कैसे की।

यह बदलाव किसी एक व्यक्ति, परिवार या मोहल्ले की निजी समस्या नहीं है, बल्कि यह एक गहरे सामाजिक पतन की शुरूआत है, जिसका खामियाजा आज देश और समाज दोनों को भुगतना पड़ रहा है। इसका सबसे जीवंत और डरावना प्रमाण हमें देश की राजधानी के जंतर-मंतर जैसे संवेदनशील स्थलों पर देखने को मिलता है। जंतर-मंतर पर जब युवा और बच्चे किसी आंदोलन या धरने के नाम पर इकट्ठा होते हैं, तो वहां से निकलने वाली गालियां और अमर्यादित भाषा सुनकर रूह कांप जाती है। वे धरने और प्रदर्शन चाहे समाज के जितने भी अच्छे और ऊंचे उद्देश्यों के लिए आयोजित किए गए हों, लेकिन वहां मौजूद युवाओं के मुंह से टपकती बदजुबानी और गाली-गलौज इस बात का साफ अहसास कराती है कि हमारी महान भारतीय संस्कृति किस तरह दूषित की जा रही है। जंतर-मंतर तो महज एक राष्ट्रीय मंच है, जो मीडिया की नजरों में आ जाता है, अन्यथा पूरे देश के हर शहर, हर गली और हर चौराहे पर आज ऐसा ही माहौल बन चुका है।

स्कूल और कॉलेज की वर्दी पहने बच्चे सरेआम सिगरेट का धुआं उड़ाते हुए ऐसी गंदी भाषा का इस्तेमाल करते हैं कि वहां से किसी सभ्य राहगीर का गुजरना मुहाल हो जाता है।

इस सांस्कृतिक और नैतिक पतन के पीछे पाश्चात्य सभ्यता की वह अंधी नकल है, जिसने हमारे युवाओं को पूरी तरह से ह्यजेन जीह्न यानी एक ऐसी नई पीढ़ी में बदल दिया है, जो जड़ों से कटी हुई है।

राहुल गांधी ने देश की विरासत का किया अपमान : योगी आदित्यनाथ

रायबरेली।
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रायबरेली में राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी हमारी विरासत का अपमान कर रहे हैं और युवाओं को गलत दिशा में ले जा रहे हैं। मुख्यमंत्री सोमवार को रायबरेली में राना बेनी माधव बख़्स सिंह की 222वीं जयंती के अवसर पर आयोजित भाव समर्पण समारोह को सम्बोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि राहुल गांधी से देश अब कोई अपेक्षा नहीं करता लेकिन नेता प्रतिपक्ष के नाते उनकी कोई जिम्मेदारी है। बावजूद इसके वह यूपी के बाहर प्रदेश का अपमान करते हैं। देश के बाहर देश का अपमान करते हैं। उनको अपनी विरासत को अपमानित करने का कोई हक नहीं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राहुल को शतपथ ब्राम्हण और मत्स्य पुराण पढ़नी चाहिए। ताकि उनको समझ आ जाए कि हमारे ग्रंथ व विरासत में क्या है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रायबरेली में केवल एक परिवार के नाम पर संस्थाओं के नामकरण हुए। शहीदों को भुला दिया गया। अब प्रदेश सरकार अपने शहीदों, नायकों को याद कर रही है। उन्होंने अयोध्या में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष के दावत पर तंज कसते हुए कहा कि यह सनातन का अपमान है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमें अपनी विरासत को पहचानना होगा। उस पर गर्व करने की जरूरत है। ताकि हम अपनी समृद्ध परंपरा और इतिहास को जान सकें।

योगी आदित्यनाथ ने इसके पहले 25 करोड़ की लागत से बने सभागार का लोकार्पण किया व शहीदों के परिजनों को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने डाक विभाग द्वारा राना बेनी माधव सिंह पर जारी विशेष आवरण को जारी किया। राना बेनी माधव सिंह स्मारक समिति द्वारा अवध केसरी का विमोचन भी मुख्यमंत्री द्वारा किया गया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के पर्यटन व संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह, मंत्री राकेश सचान, मंत्री मनोज पांडे, राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार दिनेश प्रताप सिंह, विधायक अदिति सिंह, अशोक कोरी, एमएलसी उमेश द्विवेदी, अवनीश सिंह सहित भाजपा पदाधिकारी व नेता मौजूद रहे।

इसके बाद रायबरेली के फिरोज गांधी डिग्री कॉलेज मैदान में आयोजित जनसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रायबरेली के विकास के लिए 879 करोड़ रुपये से अधिक की 346 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करेंगे। इसमें वह 624 करोड़ रुपये की 185 परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे, जबकि 277 करोड़ रुपये की 162 नई परियोजनाओं का शिलान्यास भी करेंगे।

मुख्यमंत्री रायबरेली में सपेरा समुदाय व अन्य आवास विहीन 60 से अधिक परिवारों को आवासीय पट्टे का आवंटन पत्र लाभार्थियों को सौंपेंगे। इसके साथ ही अन्य योजनाओं के लाभार्थियों के खाते मे 19 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का अंतरण भी करेंगे।

मुरादाबाद : पिंजरे में नौवां तेंदुआ कैद, ग्रामीणों ने ली राहत की सांस

मुरादाबाद।
उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जनपद में मुरादाबाद रेंज के अन्तर्गत ग्राम सलेमपुर में एक तेंदुआ ट्रैप केज के माध्यम से सोमवार को सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया गया हैं। जनपद में पिंजरे के माध्यम से रेस्क्यू किया जाने वाला यह नवां तेंदुआ है। वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर पिंजरे को अपने कब्जे में ले लिया। उसे देखने के लिए ग्रामीणों की भीड़ जुटी रही।

जिलाधिकारी डा. राजेंद्र पैंसिया ने बताया कि संवेदनशीलता के दृष्टिकोण से वन विभाग की देखरेख में रेस्क्यू टीम लगातार सक्रिय है। साथ ही प्रशासनिक स्तर से पूरे संवेदनशील क्षेत्र के अंतर्गत ग्रामों ने सतर्कता एवं जागरूकता के लिए चौपालें आयोजित की जा रही हैं। पूरे संवेदनशील क्षेत्र से अब तक 09 तेंदुओं का रेस्क्यू किया जा चुका है।

जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद के कई थाना क्षेत्रों के कई गांव में बीते तीन पखवाड़े से तेंदुए कई लोगों और जानवरों को अपना शिकार बना चुके हैं। इसके बाद से तेंदुए की सक्रियता ने विभिन्न क्षेत्रों के कई गांव के ग्रामीणों की चिंता बढ़ा रखी थी। खेत में काम करने जाने वाले किसानों और चारा लेने जाने वाली महिलाओं को भी डर लग रहा था कि कब तेंदुआ उन पर हमला कर दें। हालांकि वन विभाग ने लोगों को सतर्कता बरतने के साथ प्रभावित गांवों में निगरानी बढ़ाने के साथ जगह जगह पिंजरे लगाए थे।

इन्हीं पिंजरों में से एक पिंजरे में सोमवार सुबह लगभग आठ बजे के आसपास वन विभाग की रेस्क्यू टीम को मुरादाबाद रेंज के अन्तर्गत ग्राम सलेमपुर में एक तेंदुआ पिंजरे में कैद हो जाने की सूचना मिली। जिसके बाद वन विभाग की टीम ने पहुंचकर उसे अपने कब्जे में लिया।

तेंदुए के पिंजरे में कैद हो जाने के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। अब उसके शारीरिक परीक्षण के बाद घने जंगल में छोड़ा जाएगा, ताकि वह दोबारा गांव की ओर न आ सके।

विद्यालयों में बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं रसोइयां : गिरीश चन्द्र यादव

जौनपुर।
पीएम पोषण योजना के तहत कार्यरत रसोइयों के सम्मान समारोह एवं कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरण कार्यक्रम का आयोजन राविवार को कलेक्ट्रेट के प्रेक्षागृह में किया गया। लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान स्थित जुपिटर सभागार में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सजीव प्रसारण किया गया। इस दौरान राज्यमंत्री गिरीश चन्द्र यादव, नगर पालिका अध्यक्ष मनोरमा मौर्या, भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति, जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन और मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खड़िया समेत अधिकारी व रसोइया मौजूद रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। कार्यक्रम की थीम ‘स्वस्थ बच्चे, खिलता बचपन–सही पोषण से प्रदेश रोशन’ रही। इस मौके पर राज्यमंत्री गिरीश चन्द्र यादव ने कहा कि पीएम पोषण योजना के रसोइया विद्यालयों में बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने बताया कि रसोइयों का मानदेय 2,000 से बढ़ाकर 3,000 रुपये प्रतिमाह किया गया है। वहीं वर्ष में एक बार साड़ी या ड्रेस के लिए मिलने वाली राशि 500 से बढ़ाकर 1,000 रुपये कर दी गई है। उन्होंने बताया कि जिले में पीएम पोषण योजना के तहत कुल 8,325 रसोइया कार्यरत हैं। कार्यक्रम में प्रतीकात्मक रूप से 15 रसोइयों को बढ़े हुए मानदेय का चेक और कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरित किया गया।नगर पालिका अध्यक्ष मनोरमा मौर्या ने कहा कि सरकार रसोइयों के हित में लगातार कार्य कर रही है। जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन ने कहा कि शेष सभी रसोइयों का पंजीकरण एक माह के भीतर पूरा कर उन्हें कैशलेस चिकित्सा कार्ड उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि पौष्टिक भोजन से बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास में तेजी आएगी।कार्यक्रम में संगीता सरोज, कुसुम, छोटेलाल यादव समेत 15 रसोइयों को प्रतीकात्मक रूप से कार्ड वितरित किए गए। रसोइयों ने सरकार के प्रति आभार जताया।

संगीता सिंह होंगी मुरादाबाद की नई मंडलायुक्त

मुरादाबाद।
उत्तर प्रदेश सरकार ने रविवार देर रात्रि 17 आईएएस अधिकारियों के कार्य स्थलों में बदलाव कर दिया। अलीगढ़ की मंडल आयुक्त संगीता सिंह को मुरादाबाद का मंडल आयुक्त बनाया गया है वही सदस्य न्यायिक राजस्व परिषद प्रयागराज ओमप्रकाश आर्य को अलीगढ़ का नया मंडल आयुक्त बनाया गया है। मुरादाबाद के मंडल आयुक्त के पद पर तैनात रहे आंजनेय कुमार सिंह सिक्किम काडर के अधिकारी हैं। बीती 14 अगस्त को उत्तर प्रदेश उनकी प्रति नियुक्ति की अवधि समाप्त हो गई थी इसके साथ ही उनके प्रतिनियुक्ति बढाए जाने को लेकर लग रहे सभी कयासों पर रविवार रात्रि विराम लग गया। बीते वर्ष 14 अगस्त के बाद सातवीं बार उनकी प्रतिनियुक्ति की अवधि एक वर्ष के लिए बढी थी।

आंजनेय कुमार सिंह वर्ष 2005 के सिक्किम कैडर के आईएएस अधिकारी हैं। सिक्किम कैडर से उत्तर प्रदेश में उन्हें 5 वर्ष की प्रतिनियुक्ति पर लाया गया था। प्रदेश में प्रतिनियुक्ति पर आने के बाद वह जनपद फतेहपुर, बुलंदशहर, रामपुर जनपद के डीएम रहे। रामपुर जिलाधिकारी के कार्यकाल के दौरान वर्ष 2020 में पहली बार उनकी प्रतिनियुक्ति 1 साल के लिए बढ़ी थी। वर्ष 2021 में दूसरी बार फिर एक वर्ष के लिए उनकी प्रतिनियुक्ति बढाई गई थी। 6 मार्च 2021 में वह मुरादाबाद के मंडल आयुक्त बनकर आए। साल 2022 में तीसरी बार और साल 2023 में चौथी बार उनकी प्रतिनियुक्ति की अवधि बढ़ाई गई थी। वर्ष 2024 में दो बार छह-छह माह के लिए उनकी प्रतिनियुक्ति की अवधि बढ़ाई गई थी। साल 2025 में सातवीं बार उनकी प्रतिनियुक्ति की अवधि 1 वर्ष के लिए 14 अगस्त 2026 तक बढ़ाई गई थी। बीती 14 अगस्त को वह अपना कार्यभार जिलाधिकारी को सौंप कर छुट्टी पर चले गए थे। इसके बाद आंजनेय कुमार सिंह की प्रति नियुक्ति आठवीं बार बढाए जाने को लेकर गली-गली कयास लगाए जा रहे थे।

रविवार रात्रि उत्तर प्रदेश में 17 आईएएस अधिकारियों की ट्रांसफर लिस्ट जारी होने के बाद इन कयासो पर विराम लग गया।

पुलिस मुठभेड़ में घायल सहित तीन बदमाश गिरफ्तार

सुलतानपुर ।
उत्तर प्रदेश के जिला सुलतानपुर के थाना अखण्डनगर क्षेत्रांतर्गत चेकिंग के दौरान स्थानीय पुलिस एवं बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ मे गोली लगने से एक आरोपित घायल हो गया। घायल सहित कुल तीन शातिर बदमाश गिरफ्तार किये गए है। उनके पास से चोरी के लाखों रुपये की कीमत के आभूषण, 01 अदद तमंचा, 01 अदद खोखा कारतूस, 01 अदद जिंदा कारतूस एवं 01 मोटरसाइकिल बरामद की गई है।

पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने सोमवार को बताया कि थाना अखण्डनगर क्षेत्रांतर्गत बीती रात चेकिंग के दौरान स्थानीय पुलिस एवं बदमाशों के बीच मुठभेड़ में गोली लगने से आरोपित विपिन निषाद पुत्र रामदेव निषाद निवासी दामोदरपुर थाना कादीपुर घायल हो गया। उसे गिरफ्तार कर इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

इसके अलावा नागेंद्र उर्फ बबलू पुत्र लालता प्रसाद निवासी मझगवां थाना कादीपुर एवं नीरज पुत्र आशा निवासी अलीपुर कांपा थाना अखंडनगर को गिरफ्तार किया गया है ।

घायल आरोपित विपिन कुमार पर थाना कादीपुर में पास्को एक्ट सहित कुल 10 आपराधिक मुकदमे दर्ज है। नागेन्द्र कुमार पर जौनपुर एवम सुल्तानपुर में कुल चार आपराधिक मुकदमे दर्ज है।

अमेठी : सड़क हादसे में युवक की मौत, दोस्त घायल

अमेठी।
उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले में जामो थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार और नशे में वाहन चलाने के दौरान बाइक करीब 12 फीट गहरे पानी भरे गड्ढे में जा गिरी। हादसे में एक युवक की मौत हो गई जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मृतक की पहचान भीम (18) पुत्र जवाहर लाल निवासी पूरे अजीम थाना जायस के रूप में हुई। बताया जा रहा है कि मृतक भीम अपने दोस्त विकास पुत्र रामराज के साथ 23 अगस्त रविवार की शाम करीब 6:30 बजे अपनी बहन भारती की ससुराल हिंदू पुरवा, थाना जामो से निकला था। रास्ते में दोनों ने शराब पी। इसके बाद नशे की हालत में वाहन चलाते हुए मंडका मजरे नौरंगाबाद के पास ब्लाइंड मोड़ पर तेज गति के कारण वाहन अनियंत्रित हो गया और करीब 12 फीट गहरे पानी भरे गड्ढे में जा गिरा। हादसे में विकास वाहन से अलग छिटककर बाहर गिर गया, जबकि भीम वाहन के साथ गड्ढे में जा गिरा। सोमवार सुबह गड्ढे में वाहन का साइड मिरर दिखाई देने पर ग्रामीणों को घटना की जानकारी हुई। इसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर वाहन और मृतक भीम के शव को बाहर निकलवाया।

जामो थाने के प्रभारी विनोद कुमार सिंह ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही तत्काल मौके पर पुलिस पहुंच गई। प्रारंभिक जांच में तेज गति और नशे की हालत में वाहन चलाने के दौरान पानी भरे गड्ढे में गिरने से युवक की मौत होने की बात सामने आई है। शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी कर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया गया।

बरेली जंक्शन पर खान-पान और पेयजल व्यवस्थाओं की जांच, दो वेंडरों पर जुमार्ना

बरेली।
यात्रियों को स्वच्छ, गुणवत्तापूर्ण और सुरक्षित खान-पान उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रविवार को बरेली जंक्शन रेलवे स्टेशन पर खान-पान और पेयजल व्यवस्थाओं की जांच की गई। उत्तर रेलवे के मुरादाबाद मंडल की ओर से किए गए संयुक्त निरीक्षण में खान-पान ट्रॉली में साफ-सफाई की व्यवस्था मानकों के अनुरूप नहीं मिली। इस पर संबंधित दो इकाइयों के संचालकों पर एक-एक हजार रुपये का जुमार्ना लगाया गया।

मंडल रेल प्रबंधक विनीता श्रीवास्तव और वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक महेश यादव के निर्देश पर मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक और मुख्य वाणिज्य निरीक्षक ने स्टेशन का संयुक्त निरीक्षण किया। इस दौरान प्लेटफॉर्म नंबर दो स्थित एम/एस वेंडर्स को-ऑपरेटिव सोसाइटी और अशफाक उल्ला खान-पान ट्रॉली की जांच की गई।

निरीक्षण में वेंडरों के पहचान पत्र, खाद्य लाइसेंस, खाद्य पदार्थ तैयार और बेचने वाले कर्मचारियों के मेडिकल प्रमाण-पत्र, उपलब्ध खाद्य एवं पेय पदार्थ, रेट लिस्ट और खान-पान क्षेत्र की स्वच्छता की स्थिति देखी गई।

थाने से पुलिस ने युवक को भगाया, की आत्महत्या

बांदा।
उत्तर प्रदेश के जनपद बांदा में प्रार्थना पत्र देने थाने गए युवक को पुलिस ने भगा दिया। इससे परेशान युवक ने नशे में कमरे के अंदर लोहे के छल्ले पर साड़ी से फांसी लगाकर खुदकुशी कर लिया।

मौत की खबर मिलते ही घरवालों में कोहराम मच गया। मृतक के पास से सोसाइड नोट भी बरामद हुआ है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजा प्रयागराज ,शिवालयों में उमड़ा आस्था का सैलाब

प्रयागराज।
श्रावण मास के अंतिम और चौथे सोमवार को संगम नगरी हर-हर महादेव और बम-बम भोलेनाथ के जयकारों से गूंज उठी। भोर से ही शहर के प्रमुख शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी। भक्तों ने कतार में खड़े होकर भगवान शिव का जलाभिषेक किया और विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। शिवालयों के बाहर भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं और पूरा वातावरण भगवान शिव की भक्ति में डूबा नजर आया।

प्रयागराज के प्रसिद्ध मनकामेश्वर मंदिर, ब्रह्मेश्वर महादेव, नागवासुकी मंदिर, शंकर विमान मंडपम, कोटेश्वर महादेव, अखिलेश्वर महादेव, तक्षकेश्वर महादेव, ललितेश्वर महादेव, संकेश्वर महादेव, पांडेश्वर महादेव, नागेश्वर महादेव और फुटाहवन महादेव मंदिर सहित शहर के सभी प्रमुख शिवालयों में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। भक्तों ने बेलपत्र, धतूरा, पुष्प और गंगाजल अर्पित कर भगवान भोलेनाथ का पूजन किया।

भोर से ही लगीं कतारें
श्रावण के अंतिम सोमवार को भगवान शिव के दर्शन और जलाभिषेक के लिए श्रद्धालु तड़के ही मंदिरों में पहुंचने लगे थे। मंदिरों के बाहर बैरिकेडिंग कर श्रद्धालुओं को व्यवस्थित तरीके से दर्शन कराया गया। अपनी बारी का इंतजार करते भक्त लगातार हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारे लगाते रहे। इससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।

कांवड़ लेकर जाने वाले शिवभक्त भी बड़ी संख्या में दारागंज स्थित अश्वमेध घाट पहुंचे। यहां से गंगा जल भरने के बाद कांवड़िये भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए अपने-अपने गंतव्य की ओर रवाना हुए। घाटों पर भी श्रद्धालुओं की चहल-पहल बनी रही।

मंदिरों की सुरक्षा में तैनात रहा पुलिस बल
श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस और प्रशासन की ओर से सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए। मंदिरों के आसपास पुलिस बल, यातायात पुलिस और महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई। भीड़ को नियंत्रित करने के साथ ही यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने पर भी विशेष ध्यान दिया गया।

पुलिस उपायुक्त नगर सागर जैन ने बताया कि शहर के सभी प्रमुख शिव मंदिरों में सुरक्षा व्यवस्था के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस बल, यातायात पुलिसकर्मी और महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। मंदिर परिसरों और आसपास के क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से लगातार निगरानी की जा रही है। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पुलिसकर्मियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं।

श्रावण के अंतिम सोमवार पर संगम नगरी में आस्था, भक्ति और उल्लास का अद्भुत संगम दिखाई दिया। शिवालयों से लेकर गंगा घाटों तक हर ओर भगवान भोलेनाथ के जयकारे गूंजते रहे। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर श्रावण मास का समापन श्रद्धा और भक्ति के साथ किया।

बंदूक साफ करते समय चली गोली, सेवानिवृत्त फौजी की मौत

कानपुर।
बर्रा थाना क्षेत्र अंतर्गत दामोदर नगर में रविवार को लाइसेंसी बंदूक साफ करते समय अचानक गोली चलने से रिटायर फौजी की मौत हो गई। गोली की आवाज सुनकर परिजन दूसरी मंजिल स्थित कमरे में पहुंचे तो वह खून से लथपथ जमीन पर पड़े मिले। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की पड़ताल में जुट गई है।

मृतक की पहचान दामोदर नगर निवासी रामबाबू राजपूत (51) के रूप में हुई। परिजन उन्हें तत्काल निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां से हैलट अस्पताल ले जाया गया। करीब एक घंटे इलाज के बाद डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। रामबाबू वर्ष 2012 में सेना से सेवानिवृत्त हुए थे और वर्तमान में कानपुर देहात के भोगनीपुर-पुखरायां स्थित एसबीआई में गनमैन के पद पर तैनात थे।

परिजनों के मुताबिक, आज रामबाबू दूसरी मंजिल पर बने कमरे में लाइसेंसी बंदूक साफ करने गए थे। कुछ देर बाद कमरे से गोली चलने की आवाज सुनाई दी। परिजन कमरे में पहुंचे तो रामबाबू घायल अवस्था में पड़े थे। उन्हें अस्पताल ले जाया गया।

घटना की सूचना पुलिस को दी गई। जानकारी मिलते ही बर्रा पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए और लाइसेंसी बंदूक व मौके से मिला खोखा कब्जे में ले लिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

परिजनों ने बताया कि रामबाबू बेटे सूरज की नौकरी को लेकर चिंतित थे। राजपूत रेजीमेंट में सीधी भर्ती के लिए सूरज ने आवेदन किया था। रिलेशनशिप सर्टिफिकेट नहीं बन पाने के कारण उसका भर्ती में चयन नहीं हो सका था। सूरज ने फोन पर इसकी जानकारी पिता को दी थी। शनिवार देर शाम बेंगलुरु से लौटने के बाद उसने पिता से बातचीत भी की थी।

बर्रा थाना प्रभारी रविंद्र कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में बंदूक साफ करते समय दुर्घटनावश गोली चलने की बात सामने आई है। आत्महत्या के पहलू से भी जांच की जा रही है। फोरेंसिक जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर मौत की वजह स्पष्ट होगी। तहरीर मिलने पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

युवा उद्यमियों को नेटवर्किंग और बिजनेस एक्सचेंज से जोड़ने पर जोर

बरेली।
इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आईआईए) बरेली चैप्टर के यंग एंटरप्रेन्योर सेल (आईवाईसी) की वर्ष 2026-27 की पहली बैठक रविवार रात को होटल ओबराय आनंद में आयोजित हुई। बैठक में युवा उद्यमियों को आपसी नेटवर्किंग, बिजनेस एक्सचेंज, सहयोग और नए व्यापारिक अवसरों से जोड़ने पर विस्तार से मंथन किया गया। आईवाईसी कैप्टन आदित्य प्रकाश अग्रवाल की अध्यक्षता में हुई बैठक में संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने युवा उद्यमियों को उद्योग जगत में आगे बढ़ने के लिए अनुभव और संसाधन साझा करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

बैठक का शुभारंभ आईआईए बरेली चैप्टर के चेयरमैन शेखर अग्रवाल ने किया। उन्होंने उपस्थित पदाधिकारियों और सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि वर्तमान औद्योगिक और व्यावसायिक परिवेश में युवा उद्यमी नवाचार, तकनीक और नए विचारों के माध्यम से महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। आईवाईसी का उद्देश्य युवा उद्यमियों को ऐसा मंच उपलब्ध कराना है, जहां वे अपने अनुभव साझा करने के साथ नए व्यावसायिक अवसरों की पहचान कर सकें और आपसी सहयोग को बढ़ावा दे सकें।

सावन के आखिरी सोमवार पर लोधेश्वर में उमड़ा आस्था का जन सैलाब, रात से डटे रहे डीएम-एसपी

बाराबंकी।
श्रावण मास के चौथे एवं अंतिम सोमवार को प्रसिद्ध तीर्थस्थल लोधेश्वर महादेवा में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। रविवार शाम से ही लखनऊ, उन्नाव, कानपुर, झांसी, उरई, जालौन, एटा, इटावा, मैनपुरी, कन्नौज, हमीरपुर, रायबरेली, सीतापुर, बहराइच, गोंडा और अयोध्या समेत प्रदेश के विभिन्न जिलों से श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया था। देर रात तक पूरा मेला क्षेत्र शिवभक्तों से खचाखच भर गया। हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारों से पूरा महादेवा शिवमय हो उठा।

भारी भीड़ को देखते हुए मंदिर के पट आधी रात से ही श्रद्धालुओं के दर्शन और जलाभिषेक के लिए खोल दिए गए।

जालीदार बैरिकेडिंग के बीच लंबी कतारों में खड़े श्रद्धालु जयकारे लगाते हुए बाबा लोधेश्वर के दरबार की ओर बढ़ते रहे। हजारों कांवड़िए डाक कांवड़ के माध्यम से भी महादेवा पहुंचे। श्रद्धालुओं ने बेलपत्र, दूध और गंगाजल से भगवान शिव का अभिषेक कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।

रात से ही अधिकारियों ने संभाली व्यवस्था
श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह और पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय रविवार रात से ही मेला क्षेत्र में मौजूद रहे और सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं पर लगातार नजर रखी। दोनों अधिकारियों ने सोमवार को भी संयुक्त रूप से लोधेश्वर महादेवा मंदिर पहुंचकर दर्शन-पूजन, जलाभिषेक, कांवड़ियों के आवागमन और भीड़ प्रबंधन की व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

अपर जिलाधिकारी निरंकार सिंह, उप जिलाधिकारी आकांक्षा गुप्ता, क्षेत्राधिकारी गरिमा पंत और तहसीलदार विपुल कुमार सिंह भी रविवार रात से ही मेला क्षेत्र में कैंप कर व्यवस्था संभालते रहे। अधिकारियों ने प्रवेश द्वार, बैरिकेडिंग, कांवड़ मार्ग और भीड़ वाले स्थानों पर स्वयं निगरानी की।

हजारों पुलिसकर्मी रहे तैनात
सुरक्षा व्यवस्था में छह सीओ, दो दर्जन से अधिक निरीक्षक एवं थाना प्रभारी समेत बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात रहे। एक पीएसी बटालियन भी सुरक्षा में लगाई गई। थाना प्रभारी निरीक्षक अरुण कुमार सिंह, इंस्पेक्टर सुभाष चंद्र यादव और महादेवा चौकी प्रभारी रजनीश पांडेय पुलिसकर्मियों के साथ लगातार मुस्तैद रहे।

यातायात पुलिस ने वाहनों के आवागमन को सुचारु रखने के लिए रूट डायवर्जन और यातायात व्यवस्था संभाली।

भीड़ इतनी अधिक रही कि सुरक्षा में लगे पुलिसकर्मियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी, लेकिन अधिकारियों की लगातार निगरानी में श्रद्धालुओं को व्यवस्थित तरीके से मंदिर तक पहुंचाया गया।एसपी अर्पित विजयवर्गीय ने बताया कि आखिरी सोमवार पर लाखो श्रद्धालुओं ने दर्शन पूजन किया है। सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह दुरुस्त रही डीएम साहब के साथ मेला व्यवस्था मैं स्वयं देख रहा हूं । आखिरी सोमवार की वजह से देर रात तक जलाभिषेक होगा पुलिस पूरी सुरक्षा व्यवस्था में मुस्तैद रहेगी ।

सोने में रिकॉर्ड तोड़ उछाल, एक सप्ताह में 7,960 रुपए तक महंगा हुआ सोना

- दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1.63 लाख प्रति 10 ग्राम के पार, मुंबई में भी कीमतें 1.63 लाख से अधिक

नई दिल्ली ।

पिछले एक सप्ताह में देश भर में सोने की कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि दर्ज की गई है। 24 कैरेट सोने की कीमत में प्रति 10 ग्राम में भारी उछाल आया है, जबकि अन्य कैरेट के सोने में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी देखी गई है। यह तेजी वैश्विक और घरेलू दोनों बाजारों में सोने की मांग में वृद्धि का परिणाम है। देश के कई शहरों में पिछले एक सप्ताह के दौरान सोने की कीमतों में जोरदार तेजी देखी गई है। 24 कैरेट वाले सोने की कीमत में प्रति 10 ग्राम 7,960 रुपये तक का इजाफा हुआ है। इसी अवधि में, 22 कैरेट गोल्ड 7,300 रुपये और 18 कैरेट सोने की कीमत में 5,970 रुपये प्रति 10 ग्राम की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। रे विवार को राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट वाले सोने की कीमत 1.63 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के पार हो चुकी है। मुंबई में भी इसकी कीमत 1,63,090 रुपये प्रति 10 ग्राम रही। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोना 4,600.91 डॉलर प्रति औंस के आसपास कारोबार कर रहा है, जो वैश्विक स्तर पर कीमतों में मजबूती का संकेत देता है। आंकड़ों के अनुसार 16 अगस्त को जहां 24 कैरेट सोना 1,55,280 रुपये प्रति 10 ग्राम था, वहीं 23 अगस्त को यह 1,63,240 रुपये पर पहुंच गया। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,42,350 रुपये से बढ़कर 1,49,650 रुपये और 18 कैरेट सोना 1,16,500 रुपये से बढ़कर 1,22,470 रुपये हो गया है। यह उछाल निवेशकों के लिए सोने को एक सुरक्षित निवेश विकल्प के रूप में दर्शाता है।

शीर्ष 10 में से 4 कंपनियों का मार्केट कैप 87,960 करोड़ घटा

भारती एयरटेल को सर्वाधिक 28,052 करोड़ का नुकसान; एलआईसी और रिलायंस में बढ़त

मुंबई ।

स्थानीय शेयर बाजार में बीते सप्ताह जारी नरमी के बीच शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से चार के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 87,960.29 करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की गई, जिसमें दूरसंचार दिग्गज भारती एयरटेल को सर्वाधिक नुकसान उठाना पड़ा है। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 468.42 अंक यानी 0.60 प्रतिशत नीचे आया, वहीं एनएसई निफ्टी में भी 114 अंक की गिरावट रही। इस बाजार गिरावट का सबसे बड़ा शिकार भारती एयरटेल रही, जिसका बाजार पूंजीकरण 28,052.96 करोड़ रुपये घट गया। इसके अलावा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मूल्यांकन 22,070.34 करोड़ रुपये कम हुआ, जबकि भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के मार्केट कैप में 20,861.20 करोड़ रुपये और हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत में 16,975.79 करोड़ रुपये की कमी आई। हालांकि इस नकारात्मक रुख के उलट छह कंपनियों ने अपने बाजार पूंजीकरण में वृद्धि दर्ज की। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का बाजार पूंजीकरण 12,650 करोड़ रुपये बढ़कर 5,35,980.31 करोड़ रुपये हो गया। वहीं, रिलायंस इंडस्ट्रीज ने 8,119.53 करोड़ रुपये की बढ़त हासिल कर अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा। लार्सन एंड टुब्रो के मार्केट कैप में 3,487.83 करोड़ रुपये, बजाज फाइनेंस में 3,424.28 करोड़ रुपये, आईसीआईसीआई बैंक में 752.47 करोड़ रुपये और एचडीएफसी बैंक में 356.95 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की गई। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज अभी भी देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है।

कच्चे तेल में उछाल, भारत में ईंधन की कीमतें स्थिर

ब्रेंट क्र ड 94.39 प्रति बैरल, पेट्रोल और डीजल के दाम स्थिर

नई दिल्ली । अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं, ब्रेंट क्रूड रे विवार को 0.65 फीसदी की तेजी के साथ 94.39 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। हालांकि, भारतीय उपभोक्ताओं के लिए राहत की बात यह है कि देश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की कीमतों में फिलहाल कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। राजधानी दिल्ली में रे विवार को पेट्रोल 102.12 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.20 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर बना हुआ है। नोएडा में पेट्रोल 102.12 रुपये और डीजल 95.56 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। गुरुग्राम में पेट्रोल 102.97 रुपये और डीजल 95.64 रुपये प्रति लीटर पर है। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में पेट्रोल 114.57 रुपये और डीजल 99.64 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।

वैश्विक कारकों से तय होगी शेयर बाजार की चाल

ईरान-अमेरिका संघर्ष और पश्चिम एशिया में अनिश्चितता भी वैश्विक बाजारों को प्रभावित करेगी

मुंबई।

पिछले सप्ताह प्रमुख सूचकांकों में गिरावट झेलने के बाद भारतीय शेयर बाजार आगामी सप्ताह में वैश्विक कारकों से प्रभावित रहेगा। निवेशकों की नजर खास तौर पर पश्चिम एशिया के भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की कीमतों पर रहेगी।

ईरान और अमेरिका के बीच 60 दिन की अस्थायी युद्ध विराम अवधि समाप्त होने और कोई नया समझौता न होने से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम एक बार फिर 90 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गए हैं। आगामी सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच सीमित दायरे में कारोबार देखने को मिल सकता है।

बाजार की चाल मुख्यतः वैश्विक संकेतों, पश्चिम एशिया के तनाव, कच्चे तेल की कीमतों और अमेरिकी बॉन्ड यील्ड पर निर्भर करेगी। ईरान-अमेरिका संघर्ष और पश्चिम एशिया में अनिश्चितता वैश्विक बाजारों को प्रभावित करेगी।

ब्रेंट क्रूड की ऊंची कीमतें भारतीय अर्थव्यवस्था और बाजार पर दबाव बना रही हैं। अमेरिकी बाजारों का मिला-जुला रुख और बॉन्ड यील्ड में उतार-चढ़ाव निवेशकों को सतर्क रखेंगे।

चुनिंदा मिडकैप, स्मॉलकैप, डिफेंस या बैंकिंग शेयरों में खरीदारी का रुझान दिख सकता है। निफ्टी और सेंसेक्स के एक निश्चित दायरे में रहने की उम्मीद है, इसलिए आक्रामक लॉन्ग पोजीशन लेते समय स्टॉप-लॉस का कड़ाई से पालन करें। ऊपरी स्तरों पर मुनाफावसूली की संभावना है, अतः केवल गुणवत्ता वाले शेयरों में ही निवेश करें।

अगले हफ्ते 50 से अधिक कंपनियां निवेशकों को बांटेंगी मुनाफा

एक शेयर पर 60 रुपए तक कमाने का मौका

नई दिल्ली।

आने वाला सप्ताह शेयर बाजार में निवेशकों के लिए लाभांश (डिविडेंड) से कमाई का एक खास अवसर लेकर आ रहा है। 24 से 28 अगस्त के बीच कई प्रमुख कंपनियां अपने शेयरों को एक्स-डिविडेंड करेंगी, जिससे निवेशकों को इन लाभांश का लाभ उठाने के लिए सही रणनीति अपनानी होगी। यह अवधि उन निवेशकों के लिए अहम है जो लाभांश से होने वाली आय में दिलचस्पी रखते हैं। इस विशेष सूची में जिलेट इंडिया, दीपक फर्टिलाइजर्स, पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन (पीएफसी), प्रॉक्टर एंड गैंबल हेल्थ, मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया, एनबीसीसी, पॉली मेडिक्योर और वर्धमान टेक्सटाइल्स जैसी प्रमुख कंपनियां शामिल हैं। इन कंपनियों ने अपने निवेशकों के लिए 0.05 से लेकर 60 रुपए प्रति शेयर तक के लाभांश की घोषणा की है। लाभांश का लाभ उठाने के लिए निवेशकों को एक्स-डिविडेंड डेट और रिकॉर्ड डेट्स को समझना अत्यंत आवश्यक है। मार्केट एक्सपर्ट्स के अनुसार, इन निर्धारित तारीखों के बाद खरीदे गए शेयरों पर आमतौर पर मौजूदा लाभांश का अधिकार नहीं मिलता। निवेशकों को केवल उच्च लाभांश राशि को देखकर ही निवेश नहीं करना चाहिए।

एसबीआई का कारोबार 2030 तक 200 लाख करोड़ पहुंचने का अनुमान

बैंक चेयरमैन ने मौजूदा वृद्धि दर और अर्थव्यवस्था के प्रदर्शन से जोड़ा अनुमान

नई दिल्ली।

देश के सबसे बड़े ऋणदाता भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का कुल कारोबार वर्ष 2030 तक 200 लाख करोड़ रुपए के विशाल आंकड़े को छू सकता है। बैंक के चेयरमैन सीएस. शेट्टी ने यह अनुमान मौजूदा वृद्धि दर और भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूत गति के आधार पर व्यक्त किया है, जो बैंक के 75वें स्थापना दिवस के करीब एक बड़ी उपलब्धि होगी। चेयरमैन शेट्टी ने एक साक्षात्कार में बताया कि यदि भारतीय अर्थव्यवस्था 7-8 प्रतिशत की दर से बढ़ती है, तो एसबीआई के बही-खाते में सालाना 11-12 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है, जिससे बैंक का कारोबार लगभग हर छह साल में दोगुना हो जाएगा। जून 2023 के अंत में एसबीआई का कुल कारोबार 110.01 लाख करोड़ रुपए था। उन्होंने स्पष्ट किया कि 200 लाख करोड़ रुपए का आंकड़ा कोई औपचारिक लक्ष्य नहीं, बल्कि मौजूदा रुझानों पर आधारित एक संभावित स्तर है। एसबीआई ने अपने 'दृष्टिकोण 2030' के तहत ग्राहकों, कर्मचारियों, शेयरधारकों तथा सरकार और नियामकों को प्राथमिकता दी है। बैंक कृषि, सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) और ग्रामीण अर्थव्यवस्था जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को समर्थन देने के साथ-साथ बचत जुटाने में भी अग्रणी भूमिका निभाएगा। पूंजी के मोर्चे पर, बैंक साझा इक्विटी टियर-1 (सीईटी1) अनुपात लगभग 12 प्रतिशत और पूंजी पर्याप्तता अनुपात (सीआरएआर) लगभग 15 प्रतिशत बनाए रखने का लक्ष्य रखता है।

त्योहारों से पहले खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव- सस्ते आयातित मजबूत, महंगे देसी नरम

- घरेलू तेल 20-24 रुपए प्रति किलो महंगे होने से मांग प्रभावित, आयातित तेलों की धूम

नई दिल्ली ।

आगामी त्योहारों के मद्देनजर बीते सप्ताह खाद्य तेल बाजार में मिला-जुला रुख देखने को मिला। देशी तेलों के मुकाबले 20-24 रुपए प्रति किलो सस्ता होने के कारण सोयाबीन तेल, कच्चे पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन जैसे आयातित खाद्य तेलों के दाम मजबूत हुए। वहीं ऊंचे दाम के चलते घरेलू सरसों तेल-तिलहन और सोयाबीन तिलहन में गिरावट दर्ज की गई।

बाजार सूत्रों के अनुसार देशी तेलों की तुलना में सस्ता होने से आगामी त्योहारों में मांग बढ़ने के कारण आयातित सोयाबीन तेल, सीपीओ और पामोलीन के दाम मजबूत रहे। विदेश में मजबूती के बावजूद आयातक इन्हें लागत से नीचे बेच रहे हैं, जिससे इनकी औद्योगिक मांग बढ़ी है। दूसरी ओर ऊंचे दाम के चलते लिवाली प्रभावित रहने से सरसों तेल-तिलहन के दाम मामूली रूप से गिरे। सोयाबीन संयंत्रों द्वारा खरीद मूल्य घटाए जाने से सोयाबीन तिलहन में भी गिरावट आई। मूंगफली तेल-तिलहन के दाम ऊंचे भाव पर कमजोर मांग के बीच स्थिर बने रहे। बिनौला तेल की उपलब्धता कम होने और ब्रांडेड कंपनियों की औद्योगिक मांग बढ़ने से इसके दाम में सुधार देखा गया। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 50 रुपये की गिरावट के साथ 8,250-8,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार सरसों तेल दादरी 50 रुपये की गिरावट के साथ 16,700 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल भी क्रमश- 5-5 रुपये की गिरावट के साथ क्रमश- 2,720-2,820 रुपये और 2,720-2,870 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमश- 125-125 रुपये की गिरावट के साथ क्रमश- 6,775-6,825 रुपये और 6,625-6,725 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

दूसरी ओर, दिल्ली में सोयाबीन तेल 125 रुपये के सुधार के साथ 15,800 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 125 रुपये के सुधार के साथ 15,650 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 200 रुपये के सुधार के साथ 12,200 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 7,350-7,925 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 17,000 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 2,680-2,980 रुपये प्रति टिन पर स्थिर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम भी 250 रुपये के सुधार के साथ 13,950 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

पामोलीन दिल्ली 275 रुपये के सुधार के साथ 15,850 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल 275 रुपये के सुधार के साथ 14,600 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। ब्रांडेड कंपनियों की औद्योगिक मांग बढ़ने और उपलब्धता कम रहने के बीच बिनौला तेल का दाम 25 रुपये के सुधार के साथ 17,125 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

महिंद्रा लाइफस्टाइलर पिकअप से वैश्विक बाजार में बढ़ाएगी मौजूदगी

कंपनी कई देशों में उतारेगी नया मॉडल, भारत में 2027 में होगा लॉन्च

नई दिल्ली

घरेलू वाहन विनिर्माता महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) अपने नए पिकअप वाहन स्कॉर्पियो लाइफस्टाइलर के साथ वैश्विक बाजारों में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराने की तैयारी में है। कंपनी का लक्ष्य दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, पश्चिम एशिया और लातिनी अमेरिका जैसे प्रमुख बाजारों में इस मॉडल को उतारना है। महिंद्रा के एक कार्यकारी अधिकारी ने बताया कि यह वाहन भारत में अप्रैल 2027 में स्कॉर्पियो लाइफस्टाइलर नाम से पेश किया जाएगा, जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में इसे महिंद्रा लाइफस्टाइलर के नाम से जाना जाएगा। उन्होंने जोर दिया कि इस पिकअप को विशेष रूप से वैश्विक जरूरतों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है और यह कंपनी की वैश्विक विकास रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने दक्षिण-पूर्व एशियाई (आसियान) बाजारों में भी इसकी संभावनाओं का जिक्र किया, जहां कंपनी नए उत्पादों के साथ अपनी पैठ बढ़ाना चाहती है। कंपनी फिलहाल इंडोनेशिया को छोड़कर आसियान क्षेत्र के अन्य बाजारों में मौजूद नहीं है।

टाटा स्टारबक्स अपने स्टोर की संख्या बढ़ाने की तैयारी में

मुंबई ।

भारत में कॉफी चेन स्टारबक्स एक बार फिर आक्रामक विस्तार रणनीति अपनाने जा रही है। टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लि. (टीसीपीएल) के एक अधिकारी ने बताया कि पिछले डेढ़-दो साल में कारोबारी मॉडल को नए सिरे से तैयार करने के बाद कंपनी को कारोबार में स्पष्ट सुधार के संकेत मिले हैं, जिसके चलते अब स्टोर खोलने की रफ्तार बढ़ाई जाएगी। टाटा स्टारबक्स ने लगातार चार तिमाहियों में समान स्टोर बिक्री में वृद्धि दर्ज की है और अब बिक्री में तेजी भी दिख रही है। वर्तमान में भारत में करीब 500 स्टारबक्स कैफे संचालित करने वाली टाटा स्टारबक्स की योजना अब मौजूदा लगभग 80 शहरों में ही स्टोर की संख्या (घनत्व) बढ़ाने पर है, न कि केवल नए शहरों में पहुंचने पर। डिसूजा ने बताया कि कंपनी ने पिछले दो वर्षों में स्टोर के आकार, प्रति स्टोर पूंजीगत खर्च और पेय पदार्थों की कीमतों सहित अपने पूरे कारोबारी मॉडल की समीक्षा की है, ताकि इसे अधिक टिकाऊ बनाया जा सके। जून तिमाही में टाटा स्टारबक्स का राजस्व 11 प्रतिशत बढ़ा और इस दौरान चार नए स्टोर भी खोले गए, जिनमें दो रिजर्व स्टोर शामिल हैं। टीसीपीएल के अधिकारी ने जून में कहा था कि टाटा स्टारबक्स की दीर्घावधि महत्वाकांक्षा चीन के स्तर (लगभग 8,000 स्टोर) तक पहुंचने की है।

एफपीआई ने अगस्त में अब तक शेयर बाजार में डाले 23,544 करोड़

इस वर्ष अब तक विदेशी निवेशक शेयरों में 2,30,000 करोड़ से अधिक की बिकवाली कर चुके

नई दिल्ली।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अगस्त में भारतीय शेयर बाजार में अपनी लिवाली तेज कर दी है, इस महीने अब तक 23,544 करोड़ रुपये का बड़ा निवेश किया है।

जुलाई में किए गए 20,200 करोड़ रुपये के निवेश के बाद यह लगातार दूसरे महीने की लिवाली है, जो चार महीनों की भारी बिकवाली के बाद विदेशी निवेशकों के रुख में एक महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाता है। कंपनियों के बेहतर तिमाही नतीजों, रुपये की स्थिरता और बाजार की मजबूत संभावनाओं ने निवेशकों का भरोसा बढ़ाया है। सीडीएसएल के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने जून से मार्च तक लगातार चार महीनों में भारी पूंजी निकाली थी। हालांकि, हाल की इस खरीदारी के बावजूद, इस वर्ष अब तक विदेशी निवेशक भारतीय शेयरों में 2,30,000 करोड़ रुपये से अधिक की शुद्ध बिकवाली कर चुके हैं, जो पिछले वर्ष की कुल निकासी से भी अधिक है। बाजार के जानकारों ने बताया कि पहली तिमाही के बेहतर कॉर्पोरेट नतीजे, रुपये की स्थिरता और व्यापक बाजार की मजबूत वृद्धि संभावनाएं एफपीआई की वापसी के मुख्य कारण हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि विदेशी निवेशक बड़े बैंकिंग और आईटी शेयरों के बजाय, अपेक्षाकृत ऊंचे मूल्यांकन के बावजूद चुनिंदा मझोली कंपनियों के शेयरों में पैसा लगा रहे हैं। आगे चलकर बाजार की दिशा कच्चे तेल की कीमतों और अमेरिका-ईरान के बीच भू-राजनीतिक तनाव जैसे वैश्विक घटनाक्रमों से प्रभावित होगी, जिस पर निवेशकों की पैनी नजर रहेगी।

टैरिफ वॉरः अमेरिका पर कनाडा का पलटवार, पीएम कार्नी बोले हम पर हमला हुआ

ट्रंप प्रशासन की अंतिम पेशकश नामंजूरः एक साल से ज्यादा चली बातचीत टूटी

नई दिल्ली ।

अमेरिका और कनाडा के बीच चल रहा व्यापार विवाद अब खुलकर टैरिफ वॉर में बदल गया है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने अमेरिका के खिलाफ जवाबी शुल्क लगाने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि 8 सितंबर से कनाडा अमेरिकी सामान पर 'डॉलर के बदले डॉलर' के हिसाब से टैरिफ लगाएगा। कार्नी ने टेलीविजन पर कहा कि जब किसी देश पर हमला होता है तो वह युद्ध की स्थिति में होता है और कनाडा पर भी एक तरह से हमला हुआ है। कनाडा के नए जवाबी शुल्क डेयरी उत्पाद, स्टील, घरेलू उपकरण, खेती में इस्तेमाल होने वाले उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक्स और पल्प एवं पेपर सहित कई अमेरिकी सामानों पर लागू होंगे। दूसरी तरफ, अमेरिका ने शनिवार की शुरुआत में कनाडा के सामान पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया था, जिसमें हॉकी स्टिक सहित औद्योगिक सामान शामिल थे। कार्नी ने बताया कि कनाडा अमेरिकी एल्युमिनियम, स्टील और मोटर वाहनों पर मौजूदा जवाबी टैरिफ हटाने को तैयार था। लेकिन ट्रंप प्रशासन की अंतिम पेशकश स्वीकार्य नहीं थी, क्योंकि अमेरिका ने बहुत ज्यादा मांग की और बदले में बहुत कम देने की पेशकश की। कार्नी ने स्पष्ट किया कि कनाडा अपनी संप्रभुता से समझौता नहीं करेगा। एक साल से ज्यादा समय से चली आ रही बातचीत बेनतीजा रही, जिसके बाद कार्नी ने बातचीत रोकने का फैसला किया।

कार्नी ने आरोप लगाया कि बातचीत के आखिरी दौर में अमेरिका ने अपनी शर्तों में बदलाव कर दिया, जिससे कनाडा में बने वाहनों को मिलने वाली टैरिफ रियायतें कम हो जातीं और उसकी संप्रभुता पर भी असर पड़ता। उनके मुताबिक, दोनों देशों के बीच पुराने जैसे रिश्ते अब नहीं रहेंगे।

यूपीआई ग्राहकों की जेब सुरक्षित! एमडीआर का बोझ रोकने की तैयारी

आरबीआई के पुराने नियम का सहारा, डेबिट कार्ड मॉडल पर बनेगी नई नीति, छोटे दुकानदारों के लिए यूपीआई रहेगा मुफ्त

नई दिल्ली

देश में यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) का इस्तेमाल करने वाले करोड़ों लोगों के लिए एक अच्छी खबर है। सरकार और नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपलसीआई) एक ऐसी योजना पर काम कर रहे हैं, जिससे यूपीआई पर लागू होने वाले मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) का बोझ ग्राहकों की जेब पर न पड़े। इसके लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के उस पुराने नियम को आधार बनाया जा सकता है, जो डेबिट कार्ड से भुगतान पर दुकानदारों को ग्राहकों से अतिरिक्त शुल्क लेने से रोकता है। चूंकि यूपीआई पिछले छह सालों से मुफ्त है, इसलिए इस तरह के नियम की आवश्यकता नहीं पड़ी थी। लेकिन अब जब बड़े व्यापारियों पर शुल्क लगाने की चर्चाएं हो रही हैं, तो इस बात का डर है कि व्यापारी इसे ग्राहकों से वसूलना शुरू न कर दें। इसी आशंका को दूर करने के लिए एनपीसीआई अपने यूपीआई सर्कुलर में भी डेबिट कार्ड वाले नियम की तरह एक क्लॉज जोड़ने पर विचार कर रहा है। दिसंबर 2017 में आरबीआई ने डेबिट कार्ड के लेनदेन पर बैंकों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था कि दुकानदार यह शुल्क ग्राहकों से न वसूलें। यूपीआई पर इस नियम को लागू कराने की अंतिम जिम्मेदारी आरबीआई की ही होगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और पेमेंट्स काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) पहले ही यह स्पष्ट कर चुके हैं कि यदि यूपीआई पर एमडीआर लागू होता भी है, तो वह सिर्फ व्यापारियों के लिए होगा, आम ग्राहकों के लिए नहीं। इसके अलावा, छोटे दुकानदारों को इस दायरे से बाहर रखा जाएगा और उनके लिए यूपीआई सेवाएं मुफ्त ही रहेंगी।

गैजेट नोटिफिकेशन आने के बाद एनपीसीआई और यूपीआई स्टीयरिंग कमेटी मिलकर एमडीआर का ढांचा तय करेंगी। हालांकि, कागजों पर नियम बनाना आसान है, लेकिन इसे जमीन पर उतारना चुनौती भरा होगा। फिनटेक इंडस्ट्री से जुड़े लोगों का मानना है कि बैंकों के लिए इसे लागू कराना मुश्किल होगा। यदि कोई दुकानदार ग्राहक से जबरन शुल्क वसूलता है, तो बैंक तभी कार्रवाई करेंगे जब ग्राहक शिकायत दर्ज कराएगा।

भारत का दक्षिण अमेरिका पर फोकस, व्यापार विस्तार को वाणिज्य सचिव की हरी झंडी

चिली से वृहद समझौता, अर्जेंटीना व ब्राजील संग मर्कोसुर पीटीए विस्तार एजेंडे में

नई दिल्ली ।

भारत अपनी व्यापार विविधीकरण रणनीति के तहत दक्षिण अमेरिकी देशों के साथ आर्थिक संबंधों को गहरा करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसी क्रम में वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल 24 से 28 अगस्त तक चिली, अर्जेंटीना और ब्राजील की यात्रा करेंगे, जहां वे प्रमुख व्यापार समझौतों की समीक्षा और विस्तार पर चर्चा करेंगे। यह दौरा इन तेजी से बढ़ते बाजारों में भारत की पहुंच बढ़ाने की महत्वपूर्ण पहल है। यात्रा के दौरान अग्रवाल चिली के साथ प्रस्तावित वृहद आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) की प्रगति का मूल्यांकन करेंगे, जो अंतिम चरण में है। बाजार पहुंच और महत्वपूर्ण खनिज जैसे मुद्दे लंबित हैं। यह समझौता 2006 के तरजीही व्यापार समझौते का स्थान लेगा और डिजिटल सेवाओं व निवेश को भी शामिल करेगा। 2025-26 में भारत-चिली व्यापार 66.45 प्रतिशत बढ़कर 6.25 अरब डॉलर (रुपए) हो गया, जो सबसे तेज वृद्धि है। अर्जेंटीना और ब्राजील के साथ बैठकों में भारत-मर्कोसुर तरजीही व्यापार समझौते के दायरे को व्यापक बनाने पर विचार किया जाएगा, जिसमें वर्तमान में केवल लगभग 450 शुल्क लाइनें शामिल हैं।

ब्राजील के साथ विश्व व्यापार संगठन में चल रहे चीनी विवाद पर भी चर्चा की उम्मीद है। ये देश चीन पर निर्भरता कम करने के विकल्प तलाश रहे हैं, जिससे भारत के लिए नए व्यापारिक अवसर खुलेंगे। 2025-26 में अर्जेंटीना के साथ भारत का व्यापार 5.96 अरब डॉलर (रुपए) और ब्राजील के साथ 15 अरब डॉलर (रुपए) रहा। यह पहल नए बाजारों की तलाश और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाने की भारत की व्यापक रणनीति का अहम हिस्सा है।

संक्षिप्त समाचार

2000 से ज्यादा ह्यूमनॉइड रोबोट दिखा रहे इंसानों जैसा करतब; हैरान हुए दर्शक

बीजिंग , एजेंसी। बीजिंग में दूसरे वर्ल्ड ह्यूमनॉइड रोबोट गेम्स यानी 'रोबोट ओलंपिक' की शुरुआत हो गई है। पांच दिन चलने वाले इस आयोजन में 16 देशों की 650 से अधिक टीमें हिस्सा ले रही हैं। 2,000 से ज्यादा ह्यूमनॉइड रोबोट फुटबॉल, टेनिस, बॉक्सिंग, बैडमिंटन और एथलेटिक्स जैसे खेलों में अपनी क्षमता दिखा रहे हैं। चीन की राजधानी बीजिंग में शनिवार से दूसरे वर्ल्ड ह्यूमनॉइड रोबोट गेम्स (रोबोट ओलंपिक) की शुरुआत हो गई है। इस पांच दिवसीय आयोजन में 16 देशों के 650 से अधिक टीमों के 2,000 से ज्यादा ह्यूमनॉइड रोबोट हिस्सा ले रहे हैं। ह्यूमनॉइड के इस ओलंपिक में रोबोट्स के बीच दौड़, फुटबॉल, टेबल टेनिस, एथलेटिक्स, किकबॉक्सिंग जैसे विभिन्न खेल मुकाबले व औद्योगिक गतिविधियां हो रही हैं। पहले दिन 4,00 मीटर और 1,500 मीटर जैसी दौड़ पूरी तरह से स्वायत्त श्रेणी में हुईं, जहां रोबोट्स बिना रिमोट कंट्रोल के दौड़े। वी आर चाइना की रिपोर्ट्स के मुताबिक, उद्घाटन के मौके पर रोबोट्स ने किसी आर्मी परेड की तरह बिल्कुल एक कतार और तालमेल में मार्च-पास्ट किया। चीनी ह्यूमनॉइड रोबोट गैलबॉट ने जब लॉन टेनिस के लिए जोरदार डाइव लगाई तो यह नजारा देख दर्शक हैरान रह गए।

मान्सी लाथर ने जीता रजत, तन्वी और कोमल ने कांस्य पदक पर जमाया कब्जा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला पहलवानों ने अंडर-20 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन पदक जीते। मान्सी लाथर ने 68 किग्रा में रजत, जबकि तन्वी मगदूम और कोमल ने 57 व 59 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक हासिल किया। भारतीय महिला पहलवानों ने अंडर-20 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन और पदक अपने नाम कर लिए। मान्सी लाथर ने 68 किलोग्राम भारवर्ग में रजत पदक जीता, जबकि तन्वी मगदूम और कोमल ने क्रमशः 57 और 59 किलोग्राम वर्ग में कांस्य पदक हासिल किए।

मंसी लाथर को रजत पदक

68 किलोग्राम भारवर्ग के स्वर्ण पदक मुकाबले में मान्सी लाथर को चीन की चेनलिंग सॉन्ग के खिलाफ बेहद करीबी मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। मान्सी को इस मुकाबले में 1-2 से शिकस्त मिली। इस तरह उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

तन्वी ने 10-4 से दर्ज की जीत

57 किलोग्राम भारवर्ग के कांस्य पदक मुकाबले में तन्वी मगदूम ने कनाडा की अग्निया क्राकोव्स्का को 10-4 से हराया। इस जीत के साथ तन्वी ने प्रतियोगिता में कांस्य पदक अपने नाम किया।

बायर्न म्यूनिख ने जीता खिताब, फाइनल में बोरुसिया डॉर्टमुंड को 2-1 से हराया

डॉर्टमुंड, एजेंसी। बायर्न म्यूनिख ने बोरुसिया डॉर्टमुंड को 2-1 से हराकर सीजन का पहला जर्मन सुपरकप (फ्रांज बेकनबाउर सुपरकप) जीता। जमाल मुसियाला और सर्ज ग्नाब्री के बाहर होने पर, बायर्न के कोच विंसेंट कोम्पनी ने नए खिलाड़ी डिफेंडर नैथेनियल ब्राउन को नंबर 10 रोल में भेजा। 23 साल के खिलाड़ी ने 28वें मिनट में गोल करके कोच के भरोसे को सही साबित किया। जोशुआ किमिच ने माइकल ओलिस की ओर एक लंबी गेंद भेजी, जिन्होंने एरिया के किनारे पर डॉर्टमुंड के डिफेंस को रोककर ब्राउन को बॉल दी। जर्मनी के इंटरनेशनल खिलाड़ी ने कोई गलती नहीं की, और गोलकीपर ग्रेगर कोबेल को छकाते हुए बायर्न के लिए अपना पहला प्रतियोगी गोल किया। पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम में विजिटर्स ने अपनी बढ़त दोगुनी कर ली। जोबे बेलिंगहैम ने अपने ही हाफ में पजेशन खो दिया। ओलिस गेंद लेकर पेनल्टी एरिया में दौड़े और शांति से कोबेल के पार नीचे-बाएं कोने में गोल कर दिया। ब्रेक के बाद डॉर्टमुंड ने कई अटैकिंग सब्स्टीट्यूशन किए और 75वें मिनट में उन्हें इसका इनाम मिला जब सब्स्टीट्यूट फैबियो सिल्वा ने गोल किया। आखिरी स्टेज में दोनों टीमों ने तेजी से काउंटरअटैक किए। मैक्सिमिलियन बेयर के पास बराबरी करने का अच्छा मौका था लेकिन उन्होंने एक शॉट ऊपर मार गोल का मौका गंवा दिया और बायर्न ने जीत पक्की कर ली। इस जीत ने बायर्न को रिकॉर्ड 12वां सुपरकप टाइटल दिलाया। डॉर्टमुंड ने यह कॉम्पिटिशन छह बार जीता है। 2026-27 बुंडेसलीगा सीजन 28 अगस्त से शुरू होगा। डिफेंडिंग चैंपियन बायर्न वीएफबी स्टटगार्ट की मेजबानी करेगा। डॉर्टमुंड अगले दिन हैमबर्गर एसवी के खिलाफ अपने घरेलू मैदान पर अपना लीग कैंपेन शुरू करेगा। मैच के बाद न्यूएर ने कहा, 'अब टीम के साथ इस सीजन का मजा लेने का समय है, और फिर हम देखेंगे। लेकिन हां, यह हो सकता है कि यह आखिरी सीजन हो। न्यूएर के बयान को उनके भविष्य में संभावित बदलाव के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

स्टार्क की आंधी में उड़ा बांग्लादेश

ऑस्ट्रेलिया ने 2 दिन के अंदर जीत लिया मैके टेस्ट, सीरीज 1-1 से बराबर

नईदिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा एवं आखिरी मुकाबला मैके के ग्रेट बैरियर रीफ एरिना में खेला गया. इस मुकाबले में मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश को पारी और 51 रनों से हरा दिया. इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने टेस्ट सीरीज को 1-1 से बराबरी पर खत्म किया. पहला टेस्ट डार्विन में खेला गया था, जहां ऑस्ट्रेलियाई टीम को 9 विकेट से शिकस्त झेलनी पड़ी थी. अब कंगारुओं ने उस हार का बदला दमदार तरीके से लिया है.

मैके टेस्ट मैच का नतीजा दो दिन के अंदर आ गया. दूसरे दिन (23 अगस्त) चायकाल के कुछ देर बाद ही ऑस्ट्रेलियाई टीम ने मैदान मार लिया. मैके टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम की जीत के हीरो तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क रहे. बाएं हाथ के दिग्गज गेंदबाज स्टार्क ने बांग्लादेश की दूसरी पारी में चार विकेट झटके. स्टार्क ने पहली पारी में छह विकेट चटकाए थे. यानी उन्होंने मुकाबले में कुल 10 विकेट अपने नाम किए. स्टार्क को 'प्लेयर ऑफ द मैच' और 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया.

मिचेल स्टार्क की तूफानी गेंदबाजी के चलते बांग्लादेश अपनी दूसरी पारी में 95 रनों पर ढेर हो गया. बांग्लादेश के लिए दूसरी पारी में कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने सबसे ज्यादा 31 रन बनाए. वहीं मुश्फिकुर रहीम 29 रन बनाकर नाबाद रहे. बाकी के 9 बल्लेबाज तो दोहरे अंकों तक नहीं पहुंच पाए, जिनमें तीन का खाता तक नहीं खुला. कप्तान पैट कमिंस और नाथन लायन ने तीन-तीन विकेट लेकर स्टार्क का अच्छा साथ निभाया.

शोरिफुल की मेहनत बेकार गई

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 210 रनों पर सिमट गई थी. पहली पारी के आधार पर ऑस्ट्रेलिया को 146 रनों की लीड मिली. कैमरन ग्रीन ने 10 चौके की मदद से 105 बॉल पर 67 रन बनाए. वहीं स्टीव स्मिथ (42 रन) और नाथन लायन (नाबाद 32 रन) ने भी उपयोगी पारियां खेलीं. बांग्लादेश के लिए लेफ्ट आर्म पेसर शोरिफुल इस्लाम ने 7 विकेट लिए. जबकि तैजुल इस्लाम, मेहदी हसन मिराज और तस्कीन अहमद को एक-एक विकेट मिले.

पुर्तगाली फुटबॉलर क्यूविन कास्त्रो की मौत:मैदान पर गिरे, अस्पताल में तोड़ा दम

नईदिल्ली, एजेंसी। पुर्तगाल के 25 साल के फुटबॉलर क्यूविन कास्त्रो की मैच के दौरान मैदान पर गिरने के बाद मौत हो गई। वह शनिवार को लिस्बन में प्री-सीजन फ्रेंडली मैच खेल रहे थे। इस घटना के बाद मैच स्थगित कर दिया गया। लिस्बन फुटबॉल एसोसिएशन ने उनके निधन की पुष्टि की। कास्त्रो पुर्तगाल में चौथे डिवीजन की लीग में खेलने वाली टीम रियल स्पोर्ट क्लब का हिस्सा थे। मुकाबला एस्ट्रेला डि अमाडोरा नाम की टीम से हो रहा था।

22वें मिनट में मैदान पर गिरे, अस्पताल ले जाया गया

कास्त्रो मैच के 22वें मिनट में मैदान पर गिर पड़े। उनके गिरने के बाद मेडिकल टीम ने तुरंत इलाज शुरू किया। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत की पुष्टि हुई। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक, मैदान पर उन्हें बिजली का झटका देकर होश में लाने की कोशिश भी की गई।

वैभव सूर्यवंशी ने दलीप ट्रॉफी डेब्यू पर किया निराश... 2 चौके जड़े, फिर इस अनजान गेंदबाज ने फंसाया

नई दिल्ली, एजेंसी। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी के लिए दलीप ट्रॉफी का डेब्यू उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा. नॉर्थ ईस्ट जोन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में वैभव ईस्ट जोन की ओर से पहली पारी में महज 8 रन बनाकर आउट हो गए. उन्होंने लगातार दो चौके लगाकर इंटेंट दिखाया था, लेकिन इस आक्रामक अंदाज को ज्यादा देर तक बरकरार नहीं रख सके. बेंगलुरु स्थित (भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड-2 पर खेले जा रहे मुकाबले में नॉर्थ ईस्ट जोन ने टॉस जीतकर ईस्ट जोन को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया था. नई गेंद से तेज गेंदबाजों को मदद मिल रही थी और ईस्ट जोन ने शुरुआत में ही विकेट गंवा दिया. वैभव सूर्यवंशी ने अपने दलीप ट्रॉफी करियर की शुरुआत बिल्कुल उसी अंदाज में की, जिसके लिए वह पहचाने जाते हैं. पारी के दूसरे ओवर में बिश्वोरजीत कोंथौजम की तीसरी गेंद को कवर रीजन से उन्होंने बाउंड्री के पार पहुंचाया. अगली गेंद पर भी उन्होंने कवर ड्राइव लगाकर चौका बटोरा. हालांकि गेंदबाज ने जल्द ही उनकी आक्रामकता का जवाब ढूंढ लिया. आखिरी गेंद पर वैभव सूर्यवंशी ने एक और बार कवर ड्राइव खेलने की कोशिश की, लेकिन इस बार टाइमिंग सही नहीं रही. गेंद बल्ले का किनारा लेकर गली में पहुंची, जोसेफ लालथनखुमा ने कैच लपक लिया. इस तरह वैभव की पहली दलीप ट्रॉफी पारी 6 गेंदों में 8 रनों पर समाप्त हुई. बिश्वोरजीत कोंथौजम ने लगातार दो चौके खाने के बावजूद अपना संयम बनाए रखा और ओवर की आखिरी गेंद पर युवा बल्लेबाज को पवेलियन भेजकर हिसाब बराबर कर लिया.

देवदत्त पडिक्कल ने लगातार दूसरे टेस्ट में भी शतक लगाया, नंबर-3 पर खत्म की भारत की टेंशन

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो के सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट में भारत ने 4 विकेट पर 291 रन बनाए हैं। देवदत्त पडिक्कल ने लगातार दूसरे टेस्ट में शतक लगाया है। वह 117 रन बनाकर आउट हो गए। वहीं रवींद्र जडेजा फिफ्टी के करीब थे। पडिक्कल ने पहले टेस्ट की पहली पारी में 167 और दूसरी पारी में 44 रन बनाए थे।

इससे पहले कप्तान शुभमन गिल 50 रन बनाकर आउट हुए। केएल राहुल 18 और यशस्वी जायसवाल 45 रन बनाकर पवेलियन लौटे थे। ऋषभ पंत 3 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुए। उन्हें लाहिरू कुमारा की शॉर्ट गेंद बाएं हाथ की कलाई पर लगी थी।

भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया है। गॉल में पहला टेस्ट 165 रन से जीतकर भारतीय टीम सीरीज में 1-0 से आगे है।

संयम भरी पारी और कप्तान गिल के साथ अहम साझेदारी

पडिक्कल ने इस पारी में गजब का धैर्य और संयम दिखाया। उन्होंने बिना कोई जोखिम उठाए बेहद आराम से बल्लेबाजी की और 168 गेंदों का सामना करते हुए अपना शतक पूरा किया। अपनी इस शतकीय पारी के दौरान उन्होंने एक भी छक्का नहीं लगाया और 10 चौके जड़े। उन्होंने कप्तान शुभमन गिल के साथ मिलकर एक मजबूत साझेदारी निभाई, जिसकी बदौलत भारतीय टीम मैच में काफी मजबूत और संभली हुई स्थिति में पहुंच गई है। टीम इंडिया ने इस मैच में सिर्फ 66 रन पर अपने दो विकेट खो दिए थे। इसके बाद शुभमन गिल और देवदत्त पडिक्कल ने बीच तीसरे विकेट के लिए 120 रनों की अहम साझेदारी हुई।

पिछले काफी समय से भारतीय टेस्ट टीम नंबर-3 के स्थान पर एक ऐसे भरोसेमंद बल्लेबाज की तलाश में थी, जो तेज और स्पिन गेंदबाजी दोनों का मजबूती से सामना कर सके। पडिक्कल ने लगातार दो शतकों के साथ इस समस्या को लगभग पूरी तरह से सुलझा दिया है। जिस तरह से वे स्पिन और पेस अटैक के खिलाफ आसानी से रन बना रहे हैं, उससे उन्होंने तीसरे नंबर पर अपनी जगह काफी हद तक पक्की कर ली है।पडिक्कल के इस निरंतर शानदार प्रदर्शन ने उन खिलाड़ियों के लिए राह कठिन कर दी है जो लंबे समय से नंबर-3 की रेस में बने हुए थे। इनमें सबसे प्रमुख नाम साई सुदर्शन का है। गौरतलब है कि साई सुदर्शन के चोटिल होने के बाद ही देवदत्त पडिक्कल को भारतीय टेस्ट स्क्वॉड में शामिल होने का मौका मिला था।

आर्चरी प्रीमियर लीग खेलेंगी ओलंपिक मेडलिस्ट केसी कॉफहोल्ड, शामिल होंगे दुनिया के 12 स्टार तीरंदाज

नई दिल्ली, एजेंसी। हैदराबाद पेरिस 2024 ओलंपिक की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट केसी कॉफहोल्ड (यूएसए) आर्चरी प्रीमियर लीग (एपीएल) के दूसरे सीजन में डेब्यू करेंगी। यह टूर्नामेंट 8 अक्टूबर से हैदराबाद में शुरू होगा, जिसमें 10 अलग-अलग देशों के 12 विदेशी तीरंदाज हिस्सा लेंगे। आर्चरी एसोसिएशन ऑफ इंडिया की इस लीग का दूसरा सीजन तेलंगाना सरकार के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। इसमें छह क्षेत्रीय फ्रेंचाइजी में बंटे 48 तीरंदाज हिस्सा लेंगे।

मौजूदा वर्ल्ड गेम्स इंडिविजुअल चैंपियन माइक श्लोसेर (वर्ल्ड नंबर 2) और एंड्रिया बेसेरा (वर्ल्ड नंबर 1) पहले सीजन के बाद फिर से वापसी करेंगे। सीजन 1 के स्टार और 2025 वर्ल्ड चैंपियनशिप के सिल्वर मेडलिस्ट मैथियास फुलरटन भी वापसी करेंगे। इनके साथ मेक्सिको के 22 वर्षीय मटियास ग्रांडे (वर्ल्ड नंबर 3) और स्पेन की एलिया कैनेलेस भी 11 दिन तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे। 20 वर्षीय ओलंपिक मेडलिस्ट केसी कॉफहोल्ड उन खास खिलाड़ियों की लिस्ट में शामिल होंगी, जिनमें तुर्की के मेटे गाजोज और मेक्सिको की एलेजांद्रा वैलेंसिया जैसे ओलंपिक मेडलिस्ट शामिल हैं; ये दोनों खिलाड़ी लीग के पहले सीजन में भी खेले थे। कंपाउंड आर्चरी में वर्ल्ड नंबर 3 खिलाड़ी, कोलंबिया की एलेजांद्रा उस्कियानो, और ब्राजील के मार्कस डी'अल्मेडा - जो वर्तमान में दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी हैं और 2014 यूथ ओलंपिक खेलों में ब्रॉन्ज मेडलिस्ट रहे हैं - उन अन्य अंतरराष्ट्रीय तीरंदाजों में शामिल हैं जो हैदराबाद में एपीएल में डेब्यू करने जा रहे हैं।

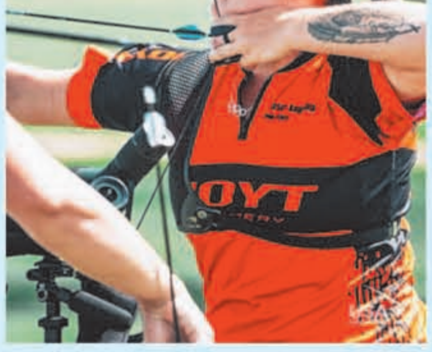

अर्जुन तेंदुलकर के करियर का बड़ा फैसला इस टीम के साथ ही जारी रखेंगे घरेलू क्रिकेट

सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर के क्रिकेट करियर को लेकर अक्सर सवाल उठते रहे हैं। घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद उनके इंटरनेशनल डेब्यू का इंतजार अब भी जारी है। 26 वर्षीय बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्जुन ने अपने घरेलू क्रिकेट करियर की शुरुआत मुंबई से की थी, लेकिन 2022-23 सीजन से पहले उन्होंने गोवा का रुख कर लिया। तब से वह गोवा की टीम का अहम हिस्सा बने हुए हैं। हाल ही में गोवा के ओमान दौरे पर अर्जुन के नहीं जाने के बाद उनके भविष्य को लेकर चर्चाएं तेज हो गई थीं। हालांकि, अब अर्जुन ने गोवा के साथ अपने सफर को जारी रखने का फैसला किया है।

अर्जुन तेंदुलकर ने गोवा के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। वह टीम के नियमित सदस्य रहे हैं और फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 50 से ज्यादा विकेट अपने नाम कर चुके हैं। इतना ही नहीं, उन्होंने अपनी बल्लेबाजी पर भी काफी काम किया है। रणजी ट्रॉफी में राजस्थान के खिलाफ अर्जुन ने शानदार शतक भी लगाया था। इस प्रदर्शन के बाद अर्जुन की पहचान सिर्फ सचिन तेंदुलकर के बेटे के रूप में नहीं, बल्कि एक ऑलराउंडर क्रिकेटर के तौर पर भी मजबूत हुई है। गोवा की टीम ने उन्हें लगातार खेलने और गेंदबाजी के साथ साथ बल्लेबाजी में अपनी क्षमता दिखाने का मौका दिया है। ऐसे में गोवा के साथ बने रहना उनके करियर के लिए अहम फैसला माना जा रहा है।

अर्जुन तेंदुलकर को IPL 2026 में लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम का हिस्सा बनने का मौका मिला। हालांकि, पूरे सीजन उन्हें प्लेइंग इलेवन में जगह बनाने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा। आखिरकार सीजन के आखिरी मुकाबले में उन्हें पंजाब किंग्स के खिलाफ मैदान पर उतरने का मौका मिला। इस मुकाबले में अर्जुन ने अपनी गेंदबाजी से प्रभावित किया। उन्होंने चार ओवर में 36 रन देकर एक विकेट हासिल किया। उनकी गेंदबाजी में खास तौर पर यॉर्कर देखने को मिलीं।

चॉकलेट खाएं, मगर...

सॉलिड कोको चॉकलेट में ट्रीप्टोफेन रसायन होता है जो हमारे शरीर में सेरोटिन बनाने का काम करता है। दरअसल यह एक न्यूरोकेमिकल है, जो खुशी की अनुभूति को बढ़ाता है। रोमांटिक मूड को बनाए रखने के लिए चॉकलेट को कमरे के तापमान पर ही खाया जाना चाहिए। चॉकलेट खाएं पर यह भी ध्यान रखें कि अति हर चीज की बुरी कि अति हर चीज की बुरी होती है...

चॉकलेट का नाम सुनते ही मुंह में पानी आ जाता है। किसी भी उम्र या हैसियत के लोग हों, चॉकलेट के स्वाद से अनजान नहीं हैं। बच्चे अभिभावकों से जिद करके चॉकलेट पाते हैं तो बड़े बच्चों से छिप कर चॉकलेट खाते हैं। इस की वजह है चॉकलेट का बेमिसाल स्वाद और इसके सेवन से होने वाले नुकसान का बेमेल संगम।

पर चॉकलेट खाने के सिर्फ नुकसान ही नहीं हैं, कई फायदे भी होते हैं। चॉकलेट लवर्स के लिए यह एक खुशखबरी होगी। इससे रूबरू कराने के प्रयास में पेश है एक कोशिश।

चॉकलेट का बोटेनिकल नाम 'थेयोब्रोमा काकाओ' है। चॉकलेट का आविष्कार 18वीं सदी में हुआ। इसे कोको बींस से तैयार किया जाता है। कोको बींस में कई तरह के फ्लेवेनोल और पोलीफेनोल होते हैं, जो हाई ब्लडप्रेशर विनाशक और ह्रदय के लिए लाभप्रद माने जाते हैं। पोलीफेनोल के एंटीआक्सीडेंट्स हमारे शरीर में एजिंग की प्रक्रिया को धीमा करते हैं। कोको डार्क चॉकलेट में ज्यादा मात्रा में होते हैं यानी जितना ज्यादा डार्क चॉकलेट उतने ज्यादा जवान और स्वस्थ रहने के आसार।

मिल्क चॉकलेट और वाइट चॉकलेट की गुणवत्ता भी कम नहीं है। मिल्क चॉकलेट में विटामिन बी-1, बी-2, ई और मैग्नीशियम, फास्फोरस, जिंक व कॉपर पाया जाता है। मिल्क चॉकलेट की एक रेगुलर साइज बार लेने से शरीर की रोज की 12 प्रतिशत कैल्सियम की जरूरत को पूरा किया जा सकता है। साथ ही हर रोज के आयरन की कुल आवश्यकता में से 12 प्रतिशत की पूर्ति की जा सकती है। नौटिंगम यूनिवर्सिटी के एक अध्ययन में यह बताया गया है कि चॉकलेट खाने से दिमाग तेज होता है। अधिक मात्रा में कोको वाले चॉकलेट खाने या चॉकलेट ड्रिंक पीने से रक्त का संचार दिमाग के खास जरूरी हिस्से में बढ़ जाता है, जिससे व्यक्ति के सतर्कता के गुण में इजाफा होता है।

चॉकलेट में करीब 300 प्राकृतिक कंपाउंड होता है, जो दिमागी प्रक्रिया को सुचारू रूप से चलने में मदद करता है और मस्तिष्क पर कम दबाव महसूस होता है। इसलिए तनावग्रस्त होने पर चॉकलेट खाने से राहत महसूस होती है। यह मानव व्यवहार को भी प्रभावित करता है।

चॉकलेट में ट्रीप्टोफेन नामक एक रसायन होता है, जो मनुष्य के शरीर में सेरोटिन बनाने का काम करता है। सेरोटिन एक न्यूरोकेमिकल है जो खुशी के एहसास, रोमांटिक मूड और कामोत्तेजना को बढ़ाता है। इन फायदों के लिए चॉकलेट को कमरे के तापमान पर रख कर ही खाएं साथ ही यह ध्यान रहे कि ये सारे गुण चबाने वाले, क्रीमी परत इत्यादि चॉकलेट में नहीं पाए जाते हैं। ये सिर्फ सौलिड कोको चॉकलेट में होते हैं।

अलग-अलग स्वाद की खासीयत वाले विभिन्न ब्रांड्स के चॉकलेट बाजार में उपलब्ध हैं। इन में कैडबरी, अमूल, नेस्ले इत्यादि के चॉकलेट हैं। चॉकलेट से कई तरह के लजीज व्यंजन और ड्रिंक भी बनाए जा सकते हैं जैसे चॉकलेट शेक, पेस्ट्री, केक, पैनकेक इत्यादि। चॉकलेट के इतने सारे फायदे जान कर कोई भी व्यक्ति सोच सकता है कि चॉकलेट खूब खाने चाहिए। पर जरा ठहरिए, किसी भी चीज की अति हानिकारक होती है। चॉकलेट का अत्यधिक सेवन शरीर में फैट, शुगर, कैलोरी बढ़ाता है और मोटापा और अन्य परेशानियों को भी बढ़ावा देता है। इसलिए चॉकलेट खाएं शौक से पर जरा संभल कर।

धूप बढ़ाए आंख की रोशनी

ऑस्ट्रेलिया के वैज्ञानिकों की मानें तो रोजाना धूप में कुछ देर बैठने से बच्चों को 'मायोपिया' नाम की बीमारी से बचाया जा सकता है। इस बीमारी से पीड़ित बच्चों की दूर की नजर कमजोर होती है। सर्च काउंसिल ऑफ ऑस्ट्रेलिया के ताजा अध्ययन ने सूरज की रोशनी का एक और फायदा साबित किया है। इस हालिया अध्ययन से पता चला है कि जो बच्चे 'मायोपिया' नाम की बीमारी से पीड़ित होते हैं, उनके लिए रोजाना करीब दो घंटे धूप में बैठना फायदेमंद होता है। अध्ययन के लिए मायोपिया से पीड़ित 60 बच्चों को दो ग्रुप में बांटकर नियमित रूप से रोजाना अलग-अलग समयावधि में धूप में बैठने को कहा गया। करीब दो महीने बाद जब उनकी दृष्टिक्षमता की जांच की गई तो उन बच्चों की स्थिति बेहतर पाई गई, जो ज्यादा लंबे समय तक धूप में बैठे। इस अध्ययन दल के प्रमुख इयान मोर्गन ने बताया मायोपिया से पीड़ित बच्चों के लिए ये इलाज बहुत प्राकृतिक और अच्छा है।

हेल्थ प्लस

अंडा रोके ब्लड प्रेशर!

रोजाना एक अण्डा खाना आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। शोध के मुताबिक दिन की शुरूआत अण्डा खाकर करने से ब्लड प्रेशर को नियंत्रित किया जा सकता है। वैज्ञानिकों ने एक शोध में कहा है कि अण्डे में एक ऐसा प्रोटीन होता है जो ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने के लिए इस्तेमाल में ली जाने वाली एक दवाई का काम करता है। हालांकि पहले एक रिपोर्ट आई थी जिसमें कहा गया था कि अण्डा खाने से दिल का दौरा पड़ सकता है। लेकिन, इस शोध से साबित होता है कि अण्डा दिल के लिए ही नहीं, बल्कि ब्लड प्रेशर को भी नियंत्रण में रखने के लिए फायदेमंद होता है।

दम है तो आलू है

आयुर्वेद के अनुसार आलू ठंडा, मधुर, रूक्ष, पचने में भारी, मल को गाढ़ा करने वाला तथा काया में आलस्य उत्पन्न करने वाला है। यह शक्तिवर्द्धक, रक्तपित्त शामक, मल-मूत्र निस्सारक एवं दुग्धवर्द्धक है। स्पेन के शोधकर्ताओं की एक नई खोजके अनुसार जो व्यक्ति आलू खाते हैं, उनकी व्याधियों से मुकाबला करने की सामर्थ्य बढ़ जाती है।

आलू में विटामिन सी, बी कॉम्पलेक्स तथा आयरन [लौह तत्त्व], कैल्शियम, मैंगनीज, फास्फोरस सरीखे तत्त्व होते हैं। आलू के प्रति 100 ग्राम में 1.6 प्रतिशत प्रोटीन, 22.6 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट, 0.1 प्रतिशत वसा, 0.4 प्रतिशत खनिज और 97 प्रतिशत कैलॉरी ऊर्जा पाई जाती है। यदि आलू को शीतल करके या सलाद की भांति सेवन किया जाए, तो इसमें ज्यादा फायदा होता है। आलू को सदाबहार सब्जी का दर्जा ही नहीं प्राप्त है, अपितु आलू में तमाम विलक्षण औषधीय गुण भी समाहित हैं।

आलू के औषधीय गुण

- आलू के इस्तेमाल से रोग प्रतिरोधक शक्ति बढ़ती है।
- जलने पर कच्चा आलू कुचलकर जले भाग पर तुरंत लगा देने से आराम मिल जाता है।
- अम्लपित्त से राहत पानी है, तो कच्चे आलू का रस प्रतिदिन पीना चाहिए।
- चेहरे के धब्बों को मिटाने के लिए आलू के रस में नीबू रस की कुछ बूंदें मिलाकर लगाने से धब्बे हल्के हो जाते हैं।
- स्तनपान कराने वाली माताओं को आलू का सेवन अवश्य करना चाहिए। आलू मां के दूध को बढ़ाने वाला होता है।
- आलू के टुकड़ों को गर्दन, कुहनियों आदि सख्त स्थानों पर रगड़ने से वहां की त्वचा साफ एवं कोमल हो जाती है।
- आलू भूनकर नमक के साथ खाने से काया में चर्बी की मात्रा में कमी होती है।
- झाइयों तथा झुर्रियों से छुटकारा पाने के लिए आलू के रस में मुल्तानी मिट्टी मिलाकर झाइयों और झुर्रियों पर लगाएं। बीस मिनट बाद चेहरा पानी से साफ कर लें।

मेरूदण्ड के लिए उपयोगी आसन

मेरूदंड के घुमावदार आसनों के नियमित अभ्यास से मेरूदंड संबंधी विविध रोग ठीक हो जाते हैं। मेरूदंड का नाड़ी संस्थान से गहरा संबंध होता है। हमारी सारी संवेदनाओं का आदान-प्रदान नाड़ी संस्थान के माध्यम से होता है। सीधी कमर न बैठने, वजन उठाने, झुक कर चलने अथवा अन्य किसी कारण से मेरूदंड में खिंचाव आ जाने से मेरूदंड बराबर कार्य नहीं करता। सरवाइकल स्पोंडीलाइसिस, साइटिका, स्लिप डिस्क, घुटनों और जोड़ों में दर्द आदि रोगों का कारण मेरूदंड की खराबी ही होती है।

मेरूदंड की क्षमता

रोगी को पीठ के बल सीधा पालकी आसन में लेटा दें तथा उनकी दोनों हथेलियों की अंगुलियों को आपस में फंसाकर गर्दन के नीचे लगवा दें। अब रोगी को कमर के बल बिना कोई सहारा लिए बैठने को कहें। यदि इस स्थिति में रोगी बैठ सकता है, तो उसका मेरूदंड अच्छा होता है और ऐसी स्थिति में रीढ़ का रोग ज्यादा पुराना नहीं होता। यदि इस ढंग से रोगी न उठ सके तो मेरूदंड की कार्य क्षमता लगभग दस प्रतिशत कम हो जाती है। दूसरी स्थिति में पैरों को सीधा करके हथेलियों को पहले की भांति गर्दन के नीचे रखते हुए रोगी को बिना सहारा दिए बैठने को कहें। यदि रोगी इस स्थिति में भी न उठ सके तो मेरूदंड की क्षमता लगभग 15 से 20 प्रतिशत कम हो जाती है।

तीसरी स्थिति में दोनों हाथों को जमीन से स्पर्श करते हुए सिर से ऊपर पूरा ले जाते हुए रोगी को पीठ के बल लेटने को कहें। यदि इस स्थिति में भी बिना सहारा रोगी न बैठ सकता हो, तो मेरूदंड की क्षमता 20 से 30 प्रतिशत के लगभग कम हो जाती है। जितना अधिक असंतुलन होगा, रोग उतना ही पुराना और संक्रामक होगा और उपचार में समय भी उसके अनुपात में अधिक लगेगा।

मेरूदंड के घुमावदार व्यायाम

मेरूदंड के घुमावदार आसनों से रीढ़ के मणोकं में आया तनाव, खिंचाव और विकृति सरलतापूर्वक दूर की जा सकती है। इन आसनों को स्त्री-पुरूष, बच्चे-बूढ़े स्वस्थ और रोगी सभी आसनी से कर सकते हैं। इनके नियमित अभ्यास से रोगी के मेरूदंड संबंधी विविध रोग ठीक हो जाते हैं। मनुष्य में रीढ़ के विविध घुमावदार आसनों को नित्य विधिपूर्वक करने से उनमें भी सुषुम्ना शक्तियां जागृत होने लगती है। ऊर्जा चक्र सक्रिय होने लगते हैं। स्नायु संस्थान ताकतवर होने से, स्नायु संबंधी रोगों की संभावनाएं बहुत कम हो जाती है। यदि हम भी घोड़े की तरह रीढ़ की हड्डी को सुबह-शाम लेटकर 'ठोडी दाएं तो घुटना बाएं' और 'घुटना दाएं तो ठोडी बाएं' घुमाना प्रारंभ कर दें, तो मेरूदंड में आई विकृतियां दूर हो जाती हैं। घुमावदार व्यायाम करने के लिए सर्वप्रथम दोनों हाथ कंधों के बराबर फैलाकर एक दम सीधा पीठ के बल जमीन पर लेट जाना चाहिए। इस व्यायाम की विविध स्थितियां होती हैं। जिसमें पैरों की ही स्थितियां अलग-अलग ढंग से बदली जाती है। गर्दन को घुमाने का एक ही तरीका और नियम होता है। जब पैरों को बाएं तरफ घुमाया जाता है, तो गर्दन को दाहिने तरफ मोड़कर, ठोढ़ी को कंधों से स्पर्श किया जाता है। जब पैरों को दाहिने तरफ घुमाया जाता है, तो गर्दन को उसी ढंग से बाई तरफ घुमाया जाता है।

प्रथम स्थिति में पैरों की दोनों एड़ियों के बीच पगथली के बराबर दूरी रखी जाती है तथा एग पगथली अंगुलियों को बारी-बारी से दूसरे पैर की एड़ी से स्पर्श किया जाता है तथा गर्दन को उसके विपरीत दिशा में घुमा जाता है।

दूसरी स्थिति में दोनों टखनों एवं पगथलियों को पास-पास में रखकर अंगुलियों को एक बार बाईं, फिर दाहिनी तरफ, बारी-बारी से जमीन को स्पर्श किया जाता है तथा साथ ही गर्दन को विपरीत दिशा में घुमाया जाता है।

एक पैर को सीधा रख दूसरे की पगथली को उनके घुटने के पास रखकर, दूसरे पैर के घुटने को दूसरे पैर की दिशा में जमीन से बारी-बारी स्पर्श कराया जाता है। दोनों घुटनों को छाती से स्पर्श करते हुए बाईं दाहिनी तरफ पैरों और गर्दन को घुमाया जाता है।

पवन मुक्तासन की स्थिति में दोनों हथेलियों से घुटनों को पकड़ सीने से चिपकाते हुए बाएं दाहिने पैरों की तरफ सारे शरीर को घुमाया जाता है और अंत में सीधा पवन मुक्तासन किया जाता है।

सावधानियां

प्रत्येक आसन के पश्चात कुछ समय शवासन करना चाहिए। प्रत्येक आसन को कम से कम 15 से 25 बार करना चाहिए। इन आसनों का अभ्यास सुबह मल त्याग के बाद खाली पेट करना चाहिए। जिन्हें कब्ज की शिकायत रहती है, उन्हें उषापान करने के पश्चात् इन आसनों को करना अधिक फायदेमंद होता है। मासिक धर्म के दिनों में एवं गर्भावस्था के तीन मास पश्चात् तथा किसी भी व्यक्ति के द्वारा शल्य चिकित्सा के तुरंत पश्चात् अथवा फ्रेक्चर होने की स्थिति में इन आसनों को नहीं करना चाहिए। प्रत्येक व्यायाम श्वास भरकर करने से अधिक फायदेमंद होता है। जिन्हें इसमें कठिनाई हो, वे साधारण स्थिति में भी इन आसनों को कर सकते हैं। आसन करते समय शरीर के साथ किसी प्रकार की जोर जबरदस्ती नहीं करनी चाहिए। सहजता एवं सरलता से शरीर जितना घुमाया जा सकता है, उतना ही घुमाना चाहिए।

जिन व्यक्तियों के मेरूदंड के मणकों में लोच की कमी होती है या बाएं-दाएं करने में कष्ट होता है, उन्हें धीरे-धीरे जितना बाएं-दाएं कर सकते हैं करना चाहिए, झटका न दें और न ही देर तक किसी एक कष्टदायक स्थिति में रूकें और न ही शरीर के उस भाग को जबरदस्ती जमीन तक ले जाने की कोशिश करें। घुमाते समय धीरे-धीरे दाएं-बाएं जाना चाहिए। किसी प्रकार का झटका नहीं देना चाहिए। घुमाते समय शरीर की जिन मांसपेशियों में दर्द हो, वे मांसपेशियां शरीर में रोगों से संबंधित होती हैं। उन मांसपेशियों का उपचार करने से रोग में तुरंत आराम मिलता है। जिन व्यक्तियों को अनिद्रा की शिकायत हो, उन्हें सोने से चार घंटे पूर्व भोजन कर लेना चाहिए। नींद पूर्व इन व्यायामों को करने से व्यायाम करते-करते ही नींद आने लग जाती है। नियमित इन आसनों के करने से बौने बच्चों की लंबाई बढ़ने लगती है। नाभि अपने स्थान पर आ जाती है। कब्ज, गैस, थकावट, आलस्य, अनिद्रा, मोटापा, मधुमेह आदि रोगों, नाड़ी, संस्थान, मेरूदंड एवं एड़ी से लगाकर गर्दन तक के रोगों में लाभ होता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-3-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-5-6-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-6-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-3-7-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-6-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-3-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-4-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू): व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। माता पक्ष से विशेष लाभ

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)

सलाहकार संपादक:

रिजवान सैफ खान

सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारुकी ,

सह संपादक: राम सिंह यादव उपसंपादक राकेश द्विवेदी

उक्त सभी पद अवैतनिक है

काकुरो पहेली - 3987

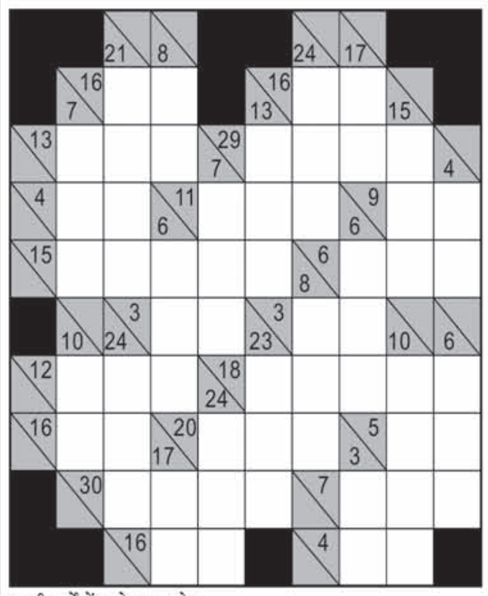

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

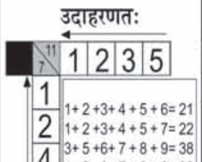

काकुरो - 3986 का हल

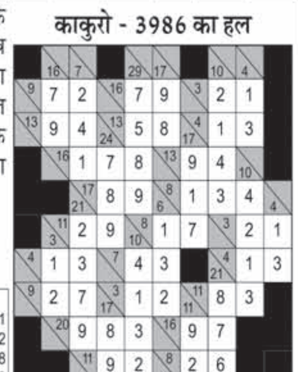

हंसी के फूव्वारें

दो दोस्त आपस में बातें कर रहे थे.

एक ने कहा-'जब मैं जंगल से होकर जा रहा था, एकाएक मुझे डाकुओं ने घेर लिया. उन्होंने मेरा सब रुपया-पैसा छीन लिया.'

'मगर तुम्हारे पास तो रिवाल्वर थी?' दोस्त ने चकित होते हुए पूछा.

'था तो!'

'फिर ?'

'उस पर डाकुओं की नजर नहीं पड़ी.' दोस्त ने भोलेपन से कहा.

□ □ □

दो अफीमची बातें कर रहे थे.

एक बोला-'मेरे पिता का मकान इतना ऊंचा था कि एक बार एक बच्चा छत पर से गिरा तो जमीन तक आते-आते वह आदमी बन गया.'

दूसरा अफीमची उससे भी दो कदम आगे था. वह बोला-'मगर मेरे पिता का मकान तुम्हारे पिता के मकान से भी ऊंचा था. उसकी छत से एक बार एक बन्दर गिरा तो नीचे आते-आते वह आदमी बन गया.'

□ □ □

मालिक-'सारे मजदूर दो-दो बोरियाँ उठा कर ला रहें हैं, पर तुम एक-एक बोरी ही क्यों ला रहे हो ?'

मजदूर-'साहब वो सब आलसी हैं इसलिए दूसरा चक्कर लगाने से डरते हैं.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3987

बायें से दायें:-

१. जैकी श्रॉफ, सलमान, रंभा, अश्विनी भावे की फिल्म-३
३. 'छम छम बरसा' गीत वाली फिल्म-३
६. 'जलता है जिया मेरा भीगी भीगी' गीत वाली फिल्म-२
७. राकेश रोशन, सिम्मी की फिल्म-२
८. अमिताभ, शर्मिला, हेमा, परवीन की फिल्म-४
१०. 'मरना तेरी गली में जीना तेरी' गीत वाली फिल्म-३
१२. फरदीन, करीना की 'रंग दीन्ही रंग' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'कहना है तुम' गीत वाली आमिर, मनीषा की फिल्म-२
१४. 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं तो प्यार' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'चाँदनी रात है' गीत वाली सलमान, नगमा की फिल्म-२
१७. 'जिंदगी ये जिंदगी दो घड़ी की जिंदगी' गीत वाली फिल्म-३
१९. नागार्जुन, उर्मिला की फिल्म-२
२०. जैकी श्रॉफ, जूही, एकता की एक सस्पेंस फिल्म-३
२३. मिलिंद, विक्रम सलूज की फिल्म-३
२५. विनोद मेहरा, अनिल कपूर, स्मिता, रति की फिल्म-२,१,२
२६. 'याइला रे लड़की मस्त' गीत वाली फिल्म-२
२७. धर्मेन्द्र, शर्मिला की 'बहारों की बारात आ' गीत वाली फिल्म-३
२८. 'तुझे देखके दिल' गीत वाली फिल्म-३
३१. सनी, जॉन, सुनील शेट्टी की फिल्म-३
३२. 'जिस का मुझे था' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२
३३. अक्षय, सैफ, रवीना टंडन, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'रंग भरे मौसम से' गीत वाली फिल्म-३
२. अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
४. 'मैं तेरी मुहब्बत में' गीत वाली फिल्म-३
५. बिजॉय आनंद, कृतिका पाने, सोनू वालिया की फिल्म-२
६. 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली फिल्म-३
९. राजबब्बर, अनिता की फिल्म-४
११. 'किसी के दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१२. नवीन निश्चल, सायरा की 'इधर गया था' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'तेरे बिना तेरे' गीत वाली फरदीन, करीना की फिल्म-२
१७. संजय, उर्मिला की 'ओ भंवरे देखो हम' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'खाई है रे हमने कसम संग रहने की' गीत वाली फिल्म-३
२१. जैकी, नीलम की 'चुराया तूने दिल' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'अपनी चाहतों पे काबू' गीत वाली जॉन, उदिता की फिल्म-२
२३. इरफान खान, की 'मैंने दिल से कहा' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'हम तीनों की वो यारी' गीत वाली फिल्म-३
२५. राजेंद्रकुमार, राखी की फिल्म-२,२
२६. 'पहली बार जो' गीत वाली फरदीन, उर्मिला की फिल्म-३
२९. 'सुन जरा सोनिये' गीत वाली फिल्म-२
३०. रणधीरकपूर, बबीता की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3986

सूडोकु -3987

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1		8	6
6					4		7	
		8	9	6		4		2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3986 का हल

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6

शब्द पहेली - 3987

बाएँ से दाएँ

1.बेजोड़-4
4.परिचय,निशान-4
7.कला-3
9.सज्जनता,चरित्र, आदर्श-3
10.प्रथा,रिवाज-3
11.उपस्थिति-3
12.सेन्धमार-5
15.शयनागार,बेडरूम, आरामगाह-3,2
18.तड़के,सुबह सवेरे-5
20.चुगली करना-2,3
22.मैला,गंदा-3
23.रसद,आहर पदार्थ-3
25.प्रणाम,नमस्कार-3
26.तोलने का यंत्र, तकड़ी-3
27.स्थायी,प्राचीन-4
28.हुकूमत,राजगद्दी-4

ऊपर से नीचे

2.मुलाकात,मिलाप-3
3.खून से लथपथ-5
4.लालन-पालन-5
5.सेवक,नौकर,दास-3
6.धोखेबाज-4
8.समान,एक जैसा-4
13.पंकज,जलज-3
14.आघात,चोट-3
16.भरोसा,विश्वास-3
17.कुली,पालकी वाहक-3
18.जुर्म,गुनाह-4
19.स्वदेश वासी-5
20.शतपदी, कनखजूरा-5
21.अहमक, मूर्ख-4
24.स्नान करना-3
25.सम्मान, पगड़ी-3

शब्द पहेली -3986 का हल

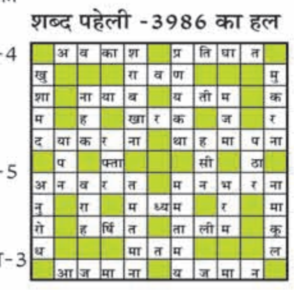

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी